Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

देश

राहुल- पंत दोनों को मौका, एआई ने चुनी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए...

जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने दिए गए बयान को लेकर उठे विवाद पर दी...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • सोमवार • 05 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 321 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

ओडिशा में बड़ा हादसा खदान की चट्टान गिरी

● 2 मजदूरों की हो गई मौत, कई अब भी फंसे

ढेंकनाल (एजेंसी)। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में एक पत्थर की खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। पुलिस के मुताबिक हादसा शनिवार शाम को हुआ, जब गोपालपुर गांव के पास बनी खदान में कुछ मजदूर ड्रिलिंग और पत्थर निकालने का काम कर रहे थे। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 2 मजदूरों की मौत हो गई है। जबकि कुछ अभी भी फंसे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे फायर सर्विस अधिकारी ने बताया कि फायर सर्विस टीमें, ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स की टीमें, डॉग स्क्वाड और बचाव अभियान में लगी मशीनों को इलाके में भेजा गया है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि खदान के पास विस्फोट करने की परमीशन नहीं थी। जिला खनन कार्यालय ने 8 सितंबर 2025 को पट्टाधारक को नोटिस जारी कर खदान बंद करने का निर्देश दिया था। ढेंकनाल कलेक्टर आशीष ईश्वर पाटिल ने बताया कि अब तक दो शव बरामद किए गए हैं।

कांग्रेस को तो भगवान राम के ही नाम से दिक्कत

● मोदी के फायरब्रांड मंत्री का बिहार से राहुल गांधी पर तीखा हमला

बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मनरेगा की जगह लागू की गई वीबी-जी राम जी योजना का विरोध करने के लिए कांग्रेस की रविवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल को इस योजना में भगवान राम का नाम शामिल किए जाने के कारण आपत्ति है। गिरिराज सिंह ने अपने लोकसभा क्षेत्र बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए

कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कांग्रेस के नेता, विकसित भारत-गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी का विरोध केवल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस योजना से भगवान राम का नाम जुड़ा हुआ है। गिरिराज सिंह ने दावा किया, 'उन्हें (कांग्रेस को) रोजगार या समाज के गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण की कोई चिंता नहीं है... उन्हें केवल भगवान राम के नाम से समस्या है।' गिरिराज सिंह ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना का उद्देश्य ग्रामीण रोजगार दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करना है।

सतना में 'बुलेट राजाओं' के अरमानों पर चला रोड रोलर

● अवैध साइलेंसरों से जमीन पर लिखा- ध्वनि प्रदूषण, फिर चला रोड रोलर

सतना (एजेंसी)। सड़कों पर बुलेट से पट-पट और गोली जैसी आवाज निकालकर दहशत फैलाने वाले मनचलों को सतना पुलिस ने करारा जवाब दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने शहर भर में अभियान चलाकर जब्त किए गए 125 से अधिक मॉडिफाइड साइलेंसरों पर

भारी-भरकम रोड रोलर चलवाकर उन्हें कबाड़ में तब्दील कर दिया है। यह कार्रवाई कोठी-चित्रकूट मार्ग स्थित यातायात थाने में की गई। शनिवार को यातायात थाने का नजारा देखने लायक था। पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में चेकिंग के दौरान रॉयल एनफील्ड (बुलेट) और अन्य बाइकों से उतरवाए गए 125 से ज्यादा अवैध साइलेंसर जमा किए थे। पुलिसकर्मियों ने इन लोहे के साइलेंसरों को जमीन पर बिछाकर अंग्रेजी में ध्वनि प्रदूषण लिखा। यह संदेश देने की कोशिश थी कि ये यंत्र सिर्फ शोर और बीमारी बांट रहे हैं। इसके बाद एक भारी रोड रोलर मंगाया गया और देखते ही देखते सभी महंगे मॉडिफाइड साइलेंसरों को कुचलकर समतल कर दिया गया।

गणतंत्र दिवस से पहले राजस्थान बॉर्डर से मौलवी पकड़ा

● जैसलमेर में फायरिंग रेंज के पास कार्रवाई, जयपुर में होगी पूछताछ

जैसलमेर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के जिले जैसलमेर में एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने संदिग्ध मौलवी को पकड़ा है। गणतंत्र दिवस से पहले हुई इस कार्रवाई ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। आतंकवादी गतिविधियों के खुफिया इनपुट के आधार पर टीम ने शनिवार को तनोट-किशनगढ़ क्षेत्र में कुरिया बेरी गांव में दबिश दी थी। मौलवी को जयपुर ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ होगी। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादी गतिविधियों के शक में पकड़ा गया अली खान बीकानेर में छत्तरगढ़ तहसील का रहने वाला है। एटीएस पिछले कई दिनों से मौलवी अली खान पर नजर बनाए हुई थी।

पहली बार दो कूबड़ वाले ऊंट समेत कई जानवर कर्तव्य पथ पर चलेंगे

5 जनवरी से मिलेंगे गणतंत्र दिवस परेड-2026 के टिकट, बिक्री का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को होने वाली परेड के लिए टिकटों की बिक्री का ऐलान कर दिया है। एक बयान के मुताबिक 77वें गणतंत्र दिवस की मुख्य परेड, बीटिंग रिट्रीट की फुल ड्रेस रिहर्सल और मुख्य बीटिंग रिट्रीट समारोह के टिकटों की बिक्री 5 जनवरी से शुरू होगी। बिक्री 14 जनवरी तक जारी रहेगी। टिकट रोज सुबह 9 बजे से तब तक खरीदे जा सकते हैं जब तक आवंटित कोटा खत्म नहीं हो जाता। टिकटों की कीमत 20 से 100 रुपए है। बीटिंग रिट्रीट की फुल ड्रेस रिहर्सल के लिए टिकट 20 रुपए में जबकि बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए टिकटों की कीमत 100 रुपए है। टिकट ऑनलाइन भी खरीदे जा सकते हैं। इधर, कर्तव्य पथ पर पहली बार सेना की रिमाउंट एंड वेटरनरी विंग के जानवर परेड में शामिल होंगे। इनमें 2 बैक्ट्रियन ऊंट, 4 जास्कर टट्टू, 4 शिकारी पक्षी और 10 मिलिट्री डॉग शामिल हैं। ऑनलाइन टिकट के अलावा परेड के ऑफलाइन टिकट भी 5 जनवरी से 14 जनवरी तक सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक छह काउंटर पर मिलेंगे।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी अवैध मस्जिद ध्वस्त

● गांव वालों ने खुद हटाया कब्जा, रात भर चली कार्रवाई

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में अवैध मस्जिद को हटाकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को पट्टा बांटने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन के आदेश पर 439 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर अवैध रूप से मस्जिद को गांव वालों ने खुद हटा लिया है। इस दौरान मौके पर

तहसीलदार समेत प्रशासनिक टीम और पुलिस बल मौजूद रहा। बुलडोजर एक्शन से पहले ही अवैध निर्माण लोगों ने हटा लिया है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 14 जून, 2018 को लेखपाल ने रिपोर्ट दी गई थी कि हाजी शमीम ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मस्जिद निर्माण कराया है।

सरकारी जमीन पर बना लिया मस्जिद

संभल के गांव सलेमपुर सलार में रहने वाले मुतवल्ली हाजी शमीम पर आरोप है कि उन्होंने लगभग पौने चार बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मस्जिद और मदरसे का निर्माण किया था। 14 जून, 2018 को सरकारी जमीन पर मस्जिद और मदरसा निर्माण किए जाने की आख्या दी गई थी।

देशभर में फोरेंसिक लैब्स नेटवर्क का फैलेगा जाल

बनाने के लिए 30 हजार करोड़ निवेश करेगी सरकार, अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में देशभर में फोरेंसिक लैब्स के नेटवर्क की स्थापना के लिए 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने का निर्णय लिया है। 2029 तक हर राज्य में कम से कम एक फोरेंसिक विश्वविद्यालय या केंद्रीय फोरेंसिक लैब स्थापित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करने, केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

373 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का किया उद्घाटन

गृह मंत्री शाह ने शनिवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह नौ योजनाओं का उद्घाटन किया और दो योजनाओं की आधारशिला रखी। इसमें 229 करोड़ रुपये का एक एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर शामिल है। इन विकास योजनाओं में कुल लागत 373 करोड़ रुपये है। शाह ने नवीन न्याय संहिता पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के नागरिकों के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए शाह ने कहा, कई स्वतंत्रता सेनानियों ने यहां अपने जीवन का एक लंबा समय बिताया। कई वीरों को यहां फांसी दी गई। जब दमन अपने चरम पर था, उनकी आवाजें देश और दुनिया तक नहीं पहुंच रही थीं।

वर्तमान में देश में सात सीएफएसएल हैं

गृह मंत्री ने कहा, भारत सरकार और राज्य सरकारें अगले पांच वर्षों में देशभर में फोरेंसिक प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के निर्माण के लिए 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। वर्तमान में देश में सात सीएफएसएल हैं, जबकि आठ नए सीएफएसएल स्थापित किए जा रहे हैं। राज्यों के फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, फोरेंसिक वैन और क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को मजबूत करने के लिए लगभग एक हजार करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। शाह ने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान विभागों के मानकीकरण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। 2029 तक 35 हजार छात्र एनएफएसयू में फोरेंसिक्स का अध्ययन करेंगे। एनएफएसयू की शत प्रतिशत प्लेसमेंट है। गृह मंत्री ने कहा कि अब तक एनएफएसयू के 14 कैंपस स्थापित किए जा चुके हैं। यह विश्वविद्यालय 100 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है।

झारखंड में एसआईआर के पहले देवघर पहुंचे सीईसी

● मुख्य निर्वाचन आयुक्त राज्य के बीएलओ से करेंगे संवाद

देवघर (एजेंसी)। झारखंड में एसआईआर के पहले भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार झारखंड दौरे पर है। ज्ञानेश कुमार रविवार को अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास पर देवघर पहुंचे। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और आगामी चुनावी तैयारियों के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवघर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, डीआईजी अंबर और उपायुक्त नमन प्रियेश ने पुष्पगुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया।

जेन जेड के हाथों में तिरंगा देख गर्व होता है

● पीएम मोदी बोले-बनारस में जोश हाई रहेगा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में 72वीं नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्लेयर्स को काशी की कहावत सुनाई। कहा- हमारे बनारस में कहा जाता है, 'बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो बनारस आवै के पड़ी।' यानी, बनारस को जानना है तो आपको बनारस आना पड़ेगा। आप सब अब बनारस आ गए हैं, तो बनारस को जान भी जाएंगे। मोदी ने कहा- देश के 28 राज्यों की टीमें यहां जुटी हैं। आप सभी एक भारत श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर पेश कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में बनारस का जोश हाई रहेगा। हमें बहुत गर्व होता है, जब जेन जेड को खेल के मैदान में तिरंगा फहराते देखते हैं। इससे पहले, सीएम योगी ने कहा- पिछले 11 सालों में सबने एक नए भारत को देखा है, भारत को बदलते देखा है।

पीएम का भोजपुरिया अंदाज, कहा- बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो...

पीएम मोदी ने कहा- आज यहां देश के 28 राज्यों की टीमें जुटी हैं। आप सब एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। हमारे बनारस में कहा जाता है- बनारस के जानय के चाहत हऊवै तो बनारस आवै के पड़ी... आप सब अब बनारस आ गए हैं, तो बनारस को जान भी जाएंगे। हमारा बनारस खेल प्रेमियों का शहर है। पीएम मोदी ने हर-हर महादेव के साथ भाषण की शुरुआत की। फिर कहा- देशभर से आए सभी खिलाड़ी, काशी के मेरे परिवारजनों नमस्कार। आज काशी के सांसद के नाते आप सभी खिलाड़ियों का स्वागत करता हूं।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से भड़का चीन

● ट्रंप से की सीधी मांग-मादुरो को तुरंत रिहा करो

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर बड़ा बयान दिया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका को वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तत्काल रिहा करना चाहिए और बातचीत के जरिए स्थिति को सुलझाना चाहिए। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर रविवार 4 जनवरी को जारी बयान में कहा कि अमेरिका को मादुरो और उनकी पत्नी सिलियो फ्लोरेस की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसमें कहा गया कि उनका जबरन देश निकाला अंतरराष्ट्रीय कानून और नियमों का उल्लंघन है। बयान में चीन ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी पर अमेरिका के जबरन नियंत्रण और उन्हें देश से बाहर ले जाने पर गहरी चिंता जताई है। चीनी विदेशी मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन अमेरिका से राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी की पर्सनल सुरक्षा सुनिश्चित करने, उन्हें तुरंत रिहा करने, वेनेजुएला की सरकार को कमजोर करना बंद करने और बातचीत और मोलभाव से इस मुद्दे को हल करने की अपील करता है।

10 रुपए में नाश्ता-खाना 100 यूनिट तक बिजली फ्री

बीएमसी चुनावों के लिए उद्धव-राज ठाकरे ने किए बड़े वादे, खेला मराठी कार्ड

मुंबई (एजेंसी)। बीएमसी चुनावों के लिए रविवार को ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव-राज ठाकरे) ने यूबीटी-मनसे का वचनपत्र यानी घोषणापत्र लांच किया। 20 साल बाद राज ठाकरे दादर स्थित शिवसेना भवन पहुंचे। उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ शिवसेना यूबीटी-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का घोषणापत्र लांच किया। ठाकरे भाईयों ने शिवसेना यूबीटी और मनसे का वचनपत्र संयुक्त रैली एक दिन पहली जारी किया है। 5 जनवरी को दोनों भाई मुंबई बीएमसी चुनावों के लिए पहली संयुक्त रैली करेंगे। इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। पार्टी ने तरफ से वचननामा को बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के लिए शिवशक्ति का मुंबईकरों के लिए वादा कहा गया है। ठाकरे ब्रदर्स ने वचननामा में मराठी कार्ड खेला है।

नर्सरी स्कूल-गिग वर्कर्स के लिए बड़े वादे

शिवसेना यूबीटी और मनसे ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि चुनाव जीतने पर बीएमसी नर्सरी स्कूल शुरू करेगी। इनमें कामकाजी माता-पिता और कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल की जाएगी। मुंबई में हर हिस्से में पेट्स के लिए पेट पार्क, पेट क्लीनिक, पेट क्रेच, पेट एम्बुलेंस, पेट क्रिमेटोरियम देने का भी वादा किया गया है। इसके साथ वचननामा में वंदनीय बालासाहेब ठाकरे सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट फंड स्कीम का ऐलान किया है।

नर्मदा जल आपूर्ति बहाल नहीं, काई मिले टैंकर से पानी की सप्लाई

16 मौत के बावजूद भागीरथपुरा में अब तक नहीं बदले हालात

इंदौर (एजेंसी)। देश के सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर में दूषित पेयजल से 16 लोगों की मौत और एक हजार से अधिक लोगों के बीमार होने के बीच नगर निगम सात दिन बाद भी भागीरथपुरा क्षेत्र में साफ-स्वच्छ नर्मदा जल उपलब्ध नहीं करा पाया है। रहवासी अब भी पूरी तरह टैंकरों पर आश्रित हैं। शनिवार को एक टैंकर में काई व जंग मिलने के बाद लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और पानी लिए बिना ही टैंकर लौटा दिया गया। वहीं, शनिवार को उल्टी-दस्त के 65 नए मरीज मिले। इनमें से 15 को अस्पतालों में भर्ती किया गया, शेष को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेजा गया। वर्तमान में 149 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें 20 आईसीयू में हैं। इस बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम ने क्षेत्र का सघन दौरा किया और अस्पतालों में भर्ती मरीजों से मुलाकात की। अब हैजा की आशंका बढ़ गई है। शनिवार को 13 वर्षीय एक बच्चे में हैजा की पुष्टि हुई। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि मल-मूत्र मिला पानी रों तक कैसे पहुंचा। अस्पताल में भर्ती कई मरीजों में किडनी-लिवर तक संक्रमण फैल गया है। अस्पताल में भर्ती संतोष बाई की किडनी तक संक्रमण पहुंच गया है। इसी प्रकार 17 वर्ष के पवन के लिवर में संक्रमण बताया गया है। इन मरीजों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

● लोगों का फूटा आक्रोश, इंदौर में खत्म नहीं हो रहा दूषित पानी का कहर

संक्षिप्त समाचार

खलारी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 1 और 2 का नहीं होगा विकास, रेलवे ने बताई वजह

खलारी, एजेंसी। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल अंतर्गत खलारी रेलवे स्टेशन में तकनीकी अड़चन का हवाला देकर प्लेटफॉर्म संख्या एक-दो के लंबाई विस्तार पर रोक लगा दी गई है, जबकि हाल के वर्षों में इसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन-चार की लंबाई बढ़ाई जा चुकी है। इस विरोधाभासी निर्णय को लेकर यात्रियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। खलारी रेलवे स्टेशन कोयलांचल क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। इस क्षेत्र से होने वाली कोयला ढुलाई के एवज में रेलवे को प्रतिवर्ष अरबों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। हजारों यात्री प्रतिदिन यहां से आवागमन करते हैं। बावजूद इसके, यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर खलारी स्टेशन को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। रेलवे रिकार्ड के अनुसार खलारी स्टेशन नान-सबअर्बन ग्रेड-5 (एनएसजी-5) श्रेणी में आता है। खलारी स्टेशन पर वर्तमान में सात एक्सप्रेस ट्रेनों का अप-डाउन में ठहराव है। इन ट्रेनों में सामान्यतः 18 से 22 कोच लगे होते हैं। प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो की लंबाई कम होने के कारण अक्सर पांच से छह कोच प्लेटफॉर्म के बाहर रुक जाते हैं, जिससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में भारी परेशानी होती है। महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से जोखिमपूर्ण बन जाती है।मालूम हो कि खलारी की जनता लंबे समय से प्लेटफॉर्म संख्या एक-दो तथा तीन-चार की लंबाई बढ़ाने की मांग करती आ रही है। हाल के वर्षों में प्लेटफॉर्म संख्या तीन-चार की लंबाई तो बढ़ा दी गई, लेकिन प्लेटफॉर्म संख्या एक-दो को अब भी विस्तार से वंचित रखा गया है।वर्तमान में खलारी स्टेशन पर थर्ड रेल लाइन बिछाने का कार्य कर रही रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो की ऊंचाई बढ़ाकर उस पर टाइल्स लगाने का काम किया जा रहा है,लेकिन रेलवे और आरवीएनएल दोनों ने स्पष्ट किया है कि प्लेटफॉर्म की लंबाई नहीं बढ़ाई जाएगी।प्लेटफॉर्म एक और दो के विस्तार को लेकर रेलवे और आरवीएनएल के अपने-अपने तर्क सामने आ रहे हैं। प्लेटफॉर्म एक-दो का सुंदरीकरण कर रही आरवीएनएल के संबंधित अधिकारी ने एसओडी (सिड्यूल आफ डायमेंशन) मानकों का हवाला देते हुए कहा कि जब तक रेलवे द्वारा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का पुनर्निर्माण नहीं किया जाता, तब तक प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ाना संभव नहीं है।वहीं, आईओडब्लू, टोरी का कहना है कि प्लेटफॉर्म एक और दो पर कार्य आरवीएनएल द्वारा किया जा रहा है, इसलिए लंबाई विस्तार की जिम्मेदारी भी उसी की बनती है। एफओबी के संबंध में उन्होंने बताया कि प्रस्ताव भेजा जा चुका है और स्वीकृति मिलने के बाद ही निर्माण संभव होगा। आईओडब्लू के अनुसार एफओबी के लिए प्लेटफॉर्म की न्यूनतम चौड़ाई 10 मीटर होनी चाहिए।स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि जब इसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन और चार पर तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर विस्तार किया जा सकता है, तो समान स्टेशन परिसर में प्लेटफॉर्म एक और दो के लिए केवल चौड़ाई का हवाला देना उचित नहीं है।

झारखंड में पेसा रूल लागू, पद खाली होने पर 1 महीने के अंदर होगा ग्रामसभा अध्यक्ष का चुनाव

रांची, एजेंसी। नियमावली के अनुसार ग्राम सभा सबसे सशक्त इकाई होगी। विशेष बैठक के पूर्व संबंधित ग्राम पंचायत में सार्वजनिक स्थानों पर इसकी एक प्रति को चिपकाया जायेगा और ग्राम सभा क्षेत्र में डुगडुगी या ढोल पिटवाकर घोषणा कर सूचना दी जाएगी। ग्राम सभा अध्यक्ष का पद रिक्त होने की स्थिति में एक महीने के अंदर अध्यक्ष का चुनाव कराना अनिवार्य होगा।अध्यक्ष की मृत्यु / पद त्यागने या किसी अन्य कारण से पद खाली होने पर परंपरा से प्रचलित रीति-रिवाज के अनुसार नये ग्राम सभा अध्यक्ष का चुनाव / मनोनयन पद रिक्त होने के एक महीना के अन्दर किया जायेगा।नये अध्यक्ष के चयन / मनोनयन के लिए 10 दिनों के अन्दर इसकी सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-सचिव पंचायत समिति / उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद् एवं जिला दंडाधिकारी / उपायुक्त को लिखित रूप से उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। नियमों के अनुसार ग्राम सभा अपने सदस्यों में से एक सहायक-सचिव का चुनाव कर सकेगी अथवा ग्राम सभा पूर्व में चयनित पंचायत सहायक का सहयोग सहायक सचिव के रूप में ले सकेगी।ग्राम सभा अपने आवश्यकता अनुसार सहायक सचिव के कार्यों का निर्धारण कर सकेगी। ऐसे सहायक सचिव अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। नियमों के अनुसार ग्राम सभा के सहायक-सचिव को एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जा सकेगा, परन्तु वह पुनः नियुक्ति के पात्र होंगे। ग्राम सभा द्वारा सहायक सचिव को चुनते समय महिलाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।नियमों के अनुसार यदि संबंधित ग्राम पंचायत का सचिव ग्राम सभा की बैठक के अध्यक्ष के आदेशों का जो झारखंड पंचायती राज अधिनियम 2001 के अधीन दायित्वों के निर्वहन या क्रियान्वयन करने के क्रम में पंचायत सचिव के कृत्यों में आते हैं, उनका पालन नहीं करता है तो अध्यक्ष संबंधित पंचायत समिति के कार्यपालक पदाधिकारी से उसपर नियंत्रण करने की अपेक्षा कर सकती है।दूसरी ओर, यदि राज्य सरकार अपने विवेक पर पंचायत के कार्यकलापों की जांच करती है, तब जांचकर्ता पदाधिकारी के समक्ष लिखित में अध्यक्ष समस्याओं का समाधान चाहने हेतु निवेदन कर सकता है और बता सकता है कि उसे अपने कर्तव्यों के पालन में अमूक बाधाएं हैं, जिनसे झारखण्ड पंचायती राज अधिनियम 2001 के उद्देश्यों के अनुकूल कार्य होने में समस्या आ रही है।

आजसू का खाद्य मंत्री इरफान अंसारी पर गंभीर आरोप,
राशन चोरी को बढ़ावा देने का दावा

रांची, एजेंसी। आजसू पार्टी ने खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी पर राशन डीलरों को राशन चोरी के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया है। पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि मंत्री ने शुक्रवार को जामताड़ा नगर भवन में खाद्य आपूर्ति विभाग के 4जी इ-पास मशीन वितरण कार्यक्रम में कहा कि आम जनता को मिलने वाले अनाज में राशन डीलरों द्वारा आधा किलो की कटौती करना कोई पाप नहीं, क्योंकि उनके भी बाल-बच्चे हैं।

उनके अनुसार, एक तरफ राशन डीलरों को आठ माह से कमीशन नहीं मिल रहा है, दूसरे उन्हें राशन चोरी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।आजसू पार्टी के खिजरी विधानसभा स्तरीय सम्मेलन 11 जनवरी को गेतलसूद डैम के पास आयोजित किया जाएगा। इसे लेकर खिजरी के पार्टी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो से उनके बुकरू, रांची स्थित आवास पर मुलाकात की।इस मौके पर आयोजित बैठक में पार्टी के सांगठनिक विस्तार, रणनीति एवं भावी कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

युवा आजसू की दस्तक - हर घर तक : सदस्यता अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम 5 जनवरी को रांची के कचहरी रोड स्थित रांची यूनिवर्सिटी गेट के समीप से किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर एवं केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा आजसू रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव करेंगे। युवा आजसू के नेता चेतन प्रकाश, अमित यादव, अमित साहू ने पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि रांची महानगर में एक महत्वाकांक्षी सदस्यता अभियान की शुरुआत कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। अभियान का शीर्षक आजसू की दस्तक - हर घर तक : सदस्यता अभियान रखा गया है।युवा आजसू रांची महानगर के अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में यह अभियान 90 दिनों की अवधि में आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत रांची महानगर के सभी 53 वार्डों को कवर किया जाएगा, जिसमें 1,00,000 नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की घोषणा करते अमित यादव ने कहा आजसू पार्टी हमेशा से सामाजिक न्याय और विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है।यह सदस्यता अभियान न केवल संगठन को मजबूत करेगा बल्कि रांची की जनता की समस्याओं को सीधे पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। हम हर वार्ड में जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें आजसू की नीतियों से जोड़ेंगे। युवा शक्ति के साथ मिलकर हम रांची को नई दिशा देंगे।

आजसू पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान में पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और युवा विंग सक्रिय रूप से भाग लेंगे। अभियान के दौरान वार्ड स्तर पर मिलन समारोह, जनसंपर्क और सदस्यता शिविर आयोजित किए जाएंगे। अमित यादव ने अभियान को पार्टी की झारखंड के विकास और सामाजिक न्याय की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा यह अभियान नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को भी गति प्रदान करेगा। युवा आजसू के प्रदेश संयोजक चेतन प्रकाश ने कहा यह अभियान केवल सदस्य बनाने का नहीं बल्कि झारखंड के युवाओं को एक नई दिशा देने का संकल्प है।आजसू पार्टी मानती है कि जब तक युवा मजबूत नहीं होगा, तब तक झारखंड मजबूत नहीं होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में शामिल होकर आजसू पार्टी का हिस्सा बनें और झारखंड के नवनिर्माण में योगदान दें। प्रेसवार्ता में अमित साहू, किशोर मंडल, सनी चंद्रवंशी, मोहित ठाकुर व अन्य लोग उपस्थित रहे।

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा करेगी नगर परिषद का घेराव

बोकारो, एजेंसी। भाजपा नेता अमर कुमार बाउरी एक दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे. इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन की सरकार पर हमला बोलते हुए कई आरोप लगाए. उन्होंने 7 जनवरी को नगर निकाय चुनाव जल्द कराने को लेकर नगर परिषद का घेराव करने की बात कही है. इसको लेकर चास के मगध बैंकट हॉल में बोकारो भाजपा की बैठक पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई.

बोकारो में पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में नगर परिषद का घेराव को लेकर रणनीति बनाई गई. बैठक में सभी नेताओं को अधिक से अधिक लोगों के साथ घेराव में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया. पूर्व विधायक अमर बाउरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, 'हम लोगों को सरकार पर दवा बनाना है.' उन्होंने कहा कि नगर निकाय और नगर पंचायत का चुनाव दलीय आधार पर होना चाहिए. अमर बाउरी ने कहा कि मौजूदा सरकार दलीय आधार पर नगर निकाय चुनाव नहीं कराना चाहती है.

बीजेपी नेता अमर कुमार बाउरी ने कहा कि वर्तमान सरकार नगर निकाय चुनाव को टालना चाहती है. जिस कारण वह टालमटोल कर रही है. उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जल्द चुनाव हो और दलीय आधार पर हों, जिससे की जीतने वाले मेयर और परिषद पर जवाबदेही और विश्वसनीयता पार्टी के प्रति बनी रहे. अमर बाउरी ने कहा कि कई बार यह देखा जाता है कि मेयर और पार्षद किसी दल से नहीं होने से वह मनमानी करते हैं और कार्यकाल के दौरान सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल कर चले जाते हैं.

स्टेट बैंक सेवा केंद्र में ग्राहक से लूट, नकाबपोश लुटेरों ने दो राउंड गोलियां भी चलाई

रांची, एजेंसी। जिला में रांची-टाटा रोड किनारे शास्त्री चौक के निकट स्थित स्टेट बैंक सेवा केन्द्र में ग्राहक विश्वदेव मुंडा से नकाबपोश लुटेरों ने कुल 19 हजार रुपये लूट कर फरार हो गए. भागने के क्रम में लुटेरों ने दो राउंड गोलियां भी चलाई. बुंडू पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखे भी बरामद किए हैं. ये घटना शनिवार शाम लगभग 5.30 बजे की बताई जाती है.

इस संबंध में भुक्तभोगी ग्राहक विश्वदेव मुंडा ने बताया कि वे बुंडू के बारेडीह गांव के निवासी हैं, पेशे से वे कृषक हैं. गत 27 दिसंबर को इनकी माता का निधन हो गया था. श्राद्ध कार्य के लिए उनके द्वारा बड़ी मुश्किल से जमा किए गए 20 हजार रुपये बैंक से निकासी के लिए वे बुंडू शास्त्री चौक स्थित स्टेट बैंक सेवा केन्द्र आए थे. पैसों की निकासी करने के बाद वे 19 हजार रुपये (एक हजार रुपये सेवा केन्द्र के उप संचालक के ही पास था) की गिनती कर ही रहे थे. इसी बीच अचानक पहुंचे तीन नकाबपोशों में से एक ने उनका रुपया छीन लिया. विश्वदेव मुंडा द्वारा विरोध करने पर एक नकाबपोश ने पिस्तौल का भय भी दिखाया.

सेवा केन्द्र के उपसंचालक ऋतिक कुमार गुप्ता ने बताया कि उन सबों द्वारा विरोध करने पर तीनों नकाबपोश लुटेरे बाहर की ओर भागे. बाहर भी संभवतः उनके तीन साथी इंतजार कर रहे थे. भागने के क्रम में लोगों को डराने करने के उद्देश्य से उन्होंने दो राउंड गोलियां भी चलाई.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी लुटेरे दो बाइक पर तमाड़ की ओर फरार हो गए. सेवा केन्द्र के संचालक सुमीत जायसवाल ने बताया कि घटना की सूचना तुरंत बुंडू थाना को दी गई. सूचना पाकर बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, बुंडू थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा सदल बल घटनास्थल पहुंचे. घटनास्थल से पुलिस ने अपराधियों द्वारा चलाये गए दो गोलियों के खोखे भी बरामद किए हैं.

मकर संक्रांति से पहले रांची का तिलकुट बाजार गुलजार, शुद्धता और वैरायटी में गया को दे रहा कड़ी टक्कर

रांची, एजेंसी। मकर संक्रांति के पावन पर्व को लेकर राजधानी रांची का तिलकुट बाजार पूरी तरह सज संवर कर तैयार हो चुका है. हर साल की तरह इस बार भी तिलकुट की मांग चरम पर है, लेकिन इस बार बाजार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि रांची के स्थानीय कारीगर ही शुद्ध और उच्च गुणवत्ता का तिलकुट तैयार कर ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं. इससे न केवल स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा मिला है, बल्कि ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है. रांची का अपर बाजार इन दिनों तिलकुट के लिए खास पहचान बना रहा है. पहले जहां लोग गया के तिलकुट को प्राथमिकता देते थे, वहीं अब रांची का तिलकुट भी स्वाद, शुद्धता और वैरायटी के मामले में गया से कम नहीं माना जा रहा है. व्यापारियों का कहना है कि अब गया की खुशबू रांची के बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है. कई ग्राहकों का मानना है कि गया में अब मिलावट की शिकायतें बढ़ गई हैं, जबकि रांची के अपर बाजार में शुद्ध तिलकुट आसानी से उपलब्ध है.

तिलकुट बाजार का दायरा भी अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है. जो बाजार पहले छोटी-छोटी गलियों तक सीमित था, वह अब मुख्य सड़कों तक फैल चुका है. इससे ग्राहकों को खरीदारी में सुविधा हो रही है और बाजार में रौनक भी बढ़ी है. सुबह से देर रात तक तिलकुट की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी हुई है.

इस बार बाजार में तिलकुट की कई आकर्षक वैरायटी देखने को मिल रही हैं. सादा तिलकुट के अलावा गुड़ तिलकुट, चीनी तिलकुट, ड्राई फ्रूट तिलकुट और खास तौर पर युवाओं को लुभाने वाला चॉकलेट तिलकुट भी उपलब्ध है. कारीगरों ने स्वाद के साथ-साथ पैकेजिंग पर भी खास ध्यान दिया है, जिससे तिलकुट उपहार के रूप में भी खरीदा जा रहा है.

कीमतों की बात करें तो रांची के तिलकुट बाजार में क्वालिटी और वैरायटी के अनुसार दाम तय किए गए हैं. बाजार में तिलकुट 400 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है. सादा और गुड़ तिलकुट अपेक्षाकृत सस्ते हैं, जबकि ड्राई फ्रूट और चॉकलेट तिलकुट की कीमत थोड़ी ज्यादा है. बावजूद इसके, शुद्धता और स्वाद के कारण ग्राहक कीमतों को उचित मान रहे हैं.

व्यापारियों का कहना है कि मकर संक्रांति नजदीक आते ही बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है. स्थानीय कारीगरों के लिए यह सीजन रोजगार और आमदनी का बड़ा जरिया बनता है. इस बार रांची का तिलकुट बाजार न सिर्फ परंपरा और स्वाद को संजोए हुए है, बल्कि स्थानीय हुनर और शुद्धता की मिसाल भी पेश कर रहा है.

हजारीबाग महिला थाना में खुदकुशी की कोशिश, मेडिकल स्टूडेंट्स पर यौन शोषण का आरोप

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के महिला थाना परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब न्याय की आस टूटने पर एक नर्स ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास कर लिया। घटना के बाद थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों और फरियादियों में हड़कंप मच गया। गंभीर हालत में युवती को तुरंत शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है। वह खतरे से बाहर बताई जा रही है। युवती बड़कागांव थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह पेशे से नर्स है। पीड़िता का आरोप है कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के हरली गांव निवासी विकास कुमार मेहता ने उसके साथ शारीरिक शोषण किया। आरोपी शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एमबीबीएस फोर्थ ईयर का छात्र है। युवती का कहना है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए।

यौन शोषण की पहली घटना हजारीबाग के स्वर्ण जयंती पार्क में हुई। आरोपी ने दूसरी घटना गांव में हुई। जब उसने शादी की बात कही तो आरोपी टालमटोल करने लगा। इसके बाद उसने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन लंबे समय तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई।

पीड़िता ने महिला थाना प्रभारी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का कहना है कि 8 जुलाई को जब वह शिकायत लेकर महिला थाना पहुंची तो उसे यह कहकर लौटा दिया गया कि पार्क में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। न्याय न मिलने और कथित असंवेदनशील रवैये से वह अंदर से टूट गई। परिजनों का भी आरोप है कि आरोपी की मां पहले शादी का रिश्ता लेकर युवती के घर आई थी, लेकिन बाद में भारी दहेज की मांग शुरू कर दी गई। जिससे युवती की मानसिक स्थिति और बिगड़ती चली गई।

घटना की सूचना मिलते ही सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार सिंह, महिला थाना प्रभारी विंध्यवासिनी सिन्हा, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। डीएसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पीड़िता के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवती का इलाज चल रहा है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

जमशेदपुर में सड़क हादसा : डंपर की टक्कर से अनियंत्रित बस ने कार को मारी ठोकर, खाईं में गिरा पूरा परिवार

जमशेदपुर, एजेंसी। हाता-पोटका मुख्य मार्ग पर रायपुर गांव के पास एक अनियंत्रित डंपर ने कांस्टेबल ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) की बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर अपने आगे खड़ी कार से जा भिड़ी, जिससे कार सीधे खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार ब्रज सुंदर त्रिपाठी समेत एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

रफ्तार के कहर ने एक बार फिर हंसते-खेलते परिवार को मुसीबत में डाल दिया। घटना उस वक्त हुई जब ब्रज सुंदर त्रिपाठी अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में रायपुर गांव के पास उन्होंने अपनी कार रोकी थी। उसी दौरान उनकी कार के ठीक पीछे सीटीसी जवानों को ले जा रही एक बस भी आ रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सब कुछ पलक झपकते ही हो गया। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने सीटीसी बस को जोरदार ठोकर मारी। डंपर के धक्के से बस संभल नहीं पाई और उसने अपने आगे खड़ी कार को रौंद दिया। बस की टक्कर लगते ही कार सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरी।

कार में ब्रज सुंदर त्रिपाठी के अलावा दो बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य सवार थे। खाई में गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को किसी तरह बाहर निकाला गया।

जंगली हाथियों का आतंक, तीन की मौत दो घायल, ग्रामीणों में दहशत

रांची, एजेंसी। झारखंड में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के कई जिलों में हाथियों के उत्पात से जहां आम जनजीवन दहशत में है, वहीं खेती-बाड़ी को भी भारी नुकसान हो रहा है। ताजा मामला पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा से सामने आया है, जहां जंगली हाथी के हमले में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। ये घटनाएं जिले के टोंटो और सदर प्रखंड क्षेत्रों में हुई हैं।

प्रभारी वनपाल मनीष सोय ने बताया कि एक नर जंगली हाथी अपने झुंड से बिछड़ गया है और मस्त अवस्था में रिहायशी इलाकों में भटक रहा है। आशंका जताई जा रही है कि अपने झुंड की तलाश में भटकते हुए हाथी ने आक्रामक रूप अपना लिया, जिसके चलते यह हादसे हुए। वन विभाग के अनुसार, झुंड से अलग हुए हाथी अक्सर हिंसक हो जाते हैं और मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं। टोंटो प्रखंड के बांडीझारी गांव में 35 वर्षीय मंगल सिंह हेंब्रम की जंगली हाथी द्वारा कुचल दिए जाने से मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बिरसिंहहातु गांव में 55 वर्षीय उर्दूप बहंदा और सदर प्रखंड के रोरो गांव में 57 वर्षीय विष्णु सुंडी की भी हाथी के हमले में जान चली गई। वहीं, बिरसिंहहातु गांव की दो महिलाएं मानी कुंटिया और सुखमति बहंदा गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। साथ ही ग्रामीणों से सतर्क रहने और सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि हाथी के दोबारा गांव की ओर लौट आने की आशंका से पूरे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है।ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, हाथी प्रभावित क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष को गंभीर मुद्दा बना दिया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारी तेज, अवैध बैनर-पोस्टर पर भी निगम बरत रही सख्ती

रांची, एजेंसी। साल 2026 की शुरुआत के साथ ही रांची नगर निगम ने शहर को गार्बेज फ्री सिटी बनाने और आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं. इसी क्रम में शुक्रवार को अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में निगम के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. जिसमें स्वच्छ सर्वेक्षण से जुड़े सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई.

इस बैठक में स्वच्छता कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिटेल्ड एक्शन प्लान तैयार करने पर जोर दिया गया. निर्णय लिया गया कि शहर के सभी 53 वार्डों में माइक्रो-लेवल पर कार्य सुनिश्चित करने के लिए कुल 10 विशेष टीमों का गठन किया जाएगा. प्रत्येक वार्ड में 4 से 5 आवासीय, व्यावसायिक एवं पर्यटन स्थलों (पॉकेट्स) का चयन कर वहां केंद्रित और त्वरित कार्रवाई की जाएगी.

अपर प्रशासक ने निर्देश दिया कि चयनित क्षेत्रों में नियमित सफाई, नागरिक सहभागिता, कचरा पृथक्करण तथा कचरा उठाव वाहनों की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित की जाए. व्यावसायिक क्षेत्रों में दिन में दो बार कचरा उठाव के लिए अलग बीट प्लान लागू किया जाएगा. वहीं, जीवीपी मुक्त शहर के लक्ष्य को लेकर मार्केट यूनियनों के साथ समन्वय स्थापित कर चिन्हित स्थलों का सौंदर्यीकरण करते हुए उन्हें स्थायी रूप से समाप्त किया जाएगा.

बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता अभियान, सभी सार्वजनिक शौचालयों की नियमित एवं विशेष सफाई तथा ढ्ढश्वष्ट (सूचना, शिक्षा एवं संचार) गतिविधियों को मजबूत करने पर भी विशेष बल दिया गया. नागरिकों को कचरा पृथक्करण, कचरा उठाव के समय, शिकायत एवं सुझाव के लिए क्यूआर कोड, टोल फ्री नंबर 1800-579-1225, स्मार्ट रांची ऐप और चैटबॉट नंबर 34-123-1235 की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया. अपर प्रशासक ने शहरवासियों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रांची को शीर्ष स्थान दिलाने के लिए सक्रिय सहभागिता की अपील की. इसी दौरान नगर निगम ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की. कचहरी रोड क्षेत्र में बिना अनुमति लगाए गए प्रचार सामग्री को जब्त किया गया और संबंधित व्यक्तियों को कड़ी चेतावनी दी गई.

उल्लेखनीय है कि पूर्व में इन पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया जा चुका है. वहीं, कोकर चौक पर एक एजेंसी द्वारा बिना अनुमति लगाए जा रहे विज्ञापन स्ट्रक्चर को तत्काल रोकते हुए 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया गया है. नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com
ई-पेपर sonvarshavani.com/epaper

इंसानियत शर्मसारः राजमहल अस्पताल में एंबुलेंस न मिलने पर ई-रिक्शा से ढोया गया शव, सरकारी सिस्टम की खुली पोल

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और संवेदनहीनता की एक ऐसी तस्वीर राजमहल से सामने आई है, जिसने न केवल मानवता को शर्मसार किया है, बल्कि सरकारी दावों की धज्जियां भी उड़ा दी हैं। राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार को इलाज के दौरान एक युवक की मौत के बाद उसके परिजनों को शव ले जाने के लिए करीब डेढ़ घंटे तक दर-दर भटकना पड़ा। अंततः जब कोई रास्ता नहीं बचा, तो बेबस परिजन ई-रिक्शा पर ही शव लादकर घर ले जाने को मजबूर हुए। मृतक की पहचान तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के शिवा पहाड़ नीचे टोला निवासी दीपक महतो (32 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि दीपक की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उम्मीद के साथ राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत के बाद दुख की घड़ी में परिजनों को सांत्वना मिलने के बजाय सिस्टम की बेरुखी का सामना करना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि मौत के बाद उन्होंने अस्पताल कर्मियों से बार-बार गुहार लगाई कि उन्हें शव घर ले जाने के लिए एंबुलेंस या मोक्ष वाहन उपलब्ध कराया जाए। अस्पताल परिसर में एंबुलेंस खड़ी होने के बावजूद उन्हें 'वाहन उपलब्ध नहीं है' कहकर टाल दिया गया। थक-हारकर परिजन बाहर ऑटो स्टैंड पर भी गए, लेकिन कोई भी वाहन शव ले जाने को तैयार नहीं हुआ। करीब 90 मिनट तक शव के पास रोते-बिलखते परिजनों ने जब देखा कि प्रशासन या अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई मदद नहीं मिल रही है, तो उन्होंने मजबूरी में एक निजी ई-रिक्शा किराए पर लिया और उसी पर शव को रखकर अपने गांव रवाना हुए। जब ई-रिक्शा पर लदा हुआ शव राजमहल के बाजार क्षेत्र से गुजरा, तो हर कोई यह दृश्य देखकर दंग रह गया। लोग स्वास्थ्य विभाग को कोसते नजर आए। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि एक गरीब के लिए मौत के बाद सम्मान के साथ अंतिम विदा पाना भी कितना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुमंडलीय अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में केवल दो एंबुलेंस और सीमित संसाधनों के भरोसे हजारों की आबादी निर्भर है। जानकारी के अनुसार, यहाँ उपाधीक्षक समेत 7 डॉक्टर कार्यरत हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं (जैसे स्थायी मोक्ष वाहन) का घोर अभाव है।

क्षेत्रीय लोगों की मांगः

अस्पताल में स्थायी मोक्ष वाहन की तत्काल व्यवस्था हो।

एंबुलेंस सेवा को दुरुस्त किया जाए ताकि किसी भी मरीज या मृतक के परिजनों को भटकना न पड़े।

इस लापरवाही के जिम्मेदार कर्मियों पर जवाबदेही तय की जाए।

32 वर्षीय दीपक महतो अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं। घर का कमाऊ सदस्य खोने के बाद इस परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, ऊपर से अस्पताल की इस अमानवीयता ने उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। राजमहल की यह घटना राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। सवाल यह है कि क्या विकास की बड़ी-बड़ी बातें केवल कागजों तक सीमित हैं? जब एक अनुमंडलीय अस्पताल एक गरीब को शव वाहन तक मुहैया नहीं करा सकता, तो आम जनता का भरोसा सिस्टम पर कैसे बना रहेगा?

फुटबॉल के मैदान से 'सड़क सुरक्षा' की गूंजः बरहेट में खिलाड़ियों और दर्शकों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटः- खेलों के माध्यम से सामाजिक संदेश देने की अनूठी पहल के तहत रविवार को बरहेट के फुटबॉल मैदान में 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026' के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज और बरहेट थाना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और आम नागरिकों को सुरक्षित सफर के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार ने उपस्थित खिलाड़ियों और हजारों दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क पर आपकी थोड़ी सी लापरवाही न केवल आपके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी जानलेवा हो सकती है। उन्होंने अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने नशे की हालत में वाहन चलाने और ओवरस्पीडिंग के खतरों के प्रति भी लोगों को आगाह किया। सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में मौजूद रोड इंजीनियर एनालिस्ट (REA) अनुज पराशर ने सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण 'नेक नागरिक (Good Samaritan) नीति' एवं 'राह-वीर योजना' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जानकारी दी कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुँचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो पुलिस या प्रशासन उससे किसी प्रकार की पूछताछ कर उसे परेशान नहीं करेगा। इसके विपरीत, सरकार की ओर से उस मददगार व्यक्ति को 25,000 की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जागरूकता अभियान के तहत जिला सड़क सुरक्षा टीम ने मैदान में मौजूद लोगों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित हैंडबिल, पंपलेट और बुकलेट का वितरण किया। इन सामग्रियों में यातायात संकेतों, हेलमेट की महत्ता और आपातकालीन नंबरों की जानकारी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के हर प्रखंड और गांव तक इस संदेश को पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के कई कर्मी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

बरहेट के सिंगा मैदान में फुटबॉल का महाकुंभः संजय गोस्वामी और जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने किया तीन दिवसीय टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट। खेल और उत्साह की गूंज के साथ बरहेट प्रखंड अंतर्गत सिंगा मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज हुआ। 'आदिवासी डेवलपमेंट क्लब' (ADC) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन रविवार को झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय गोस्वामी और झामुमो नेत्री सह जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने संयुक्त रूप से किया। टूर्नामेंट के औपचारिक उद्घाटन से पूर्व अतिथियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात मैदान में मौजूद खिलाड़ियों, कार्यकर्ताओं और हजारों दर्शकों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगान गाया, जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति और खेल भावना के गौरव से भर उठा। अतिथियों ने फीता काटकर और फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की। उद्घाटन मैच बीएसके कॉलेज बरहरवा बनाम एफसी अमडापाड़ा के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान खिलाड़ियों के कौशल और तालमेल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। अंततः बीएसके कॉलेज बरहरवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की और अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। इस बड़े खेल आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्र के कई दिग्गज शामिल हुए। मौके पर एडीसी क्लब के अध्यक्ष सह झामुमो जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नाड मरांडी, सचिव मुजीबुर्रहमान, प्रो. नजरुल इस्लाम, जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मो. अली, जिप सदस्य जेठा मुर्मू, थाना प्रभारी पवन कुमार, उपाध्यक्ष लखीराम हेंब्रम, वंशज परिवार के रूपचंद मुर्मू, एजाज अंसारी, शमीम अंसारी, गुंजन सिंघानिया, सुनीराम हांसदा, रिजाउल रहमान, पूसा टुडू, बेला किस्कू, समदा सोरेन, प्रो. हाशिम अख्तर, अब्दुल हमीद, जीसू मरांडी, बाबूलाल सोरेन, मरांग हेंब्रम, शाम हेंब्रम, बहादुर टुडू , अमजेद अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बरहेट और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में फुटबॉल प्रेमी मैच देखने पहुँचे। मैदान के चारों ओर दर्शकों का उत्साह खिलाड़ियों के लिए ऊर्जा का काम कर रहा था। आयोजकों ने बताया कि यह टूर्नामेंट क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने का एक सशक्त मंच है और आने वाले दो दिनों में और भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

राजमहलः वरिष्ठ पत्रकार स्व. हीरालाल राय की जयंती मनाई गई, ज्वलंत मुद्दों पर लेखन से समाज को दी थी नई दिशा

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। अपनी धारदार लेखनी और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से समाज में बदलाव लाने वाले राजमहल के सपूत, वरिष्ठ पत्रकार स्व. हीरालाल राय की जयंती रविवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। राजमहल नगर के वार्ड संख्या 02 में उनकी सुपुत्री सह सेवा निवृत्त शिक्षिका जयंती राय के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में परिवारजनों और नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्व. हीरालाल राय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान उनके जीवन के अनछुए पहलुओं और पत्रकारिता के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। राजमहल नगर की माटी में जन्मे हीरालाल राय ने अपने जीवन काल में कई प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए कार्य किया। उनकी विशिष्ट लेखन शैली की चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वे केवल समाचार नहीं लिखते थे, बल्कि अपनी कलम के माध्यम से समाज की बुराइयों पर प्रहार करते थे। उन्होंने क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर शासन और प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने का जो कार्य किया, वह आज भी नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने स्व. हीरालाल राय को एक 'वटवृक्ष' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि राय जी के सानिध्य और मार्गदर्शन में रहकर कई लोगों ने समाज सेवा और लेखन की बारीकियां सीखीं, जो आज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी विरासत को उनके परिवारजन और अनुयायी आज भी गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से जयंती राय, कुमुद राय, एकता राय, गगन बापू, नवल राय सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में उनके बताए सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

JSCA अंडर-19 क्रिकेटः जीत का संकल्प लेकर गोड्डा रवाना हुई साहिबगंज की टीम, 5 जनवरी को होगा पहला मुकाबला

संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (JSCA) के तत्वावधान में आयोजित अंतर-जिला अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाने के लिए साहिबगंज की टीम रविवार को रवाना हो गई। टीम सड़क मार्ग से अपने पहले पड़ाव गोड्डा के लिए निकली, जहाँ सोमवार को उनका मुकाबला मेज़बान टीम से होगा।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने टीम की रवानगी के वक्त मैचों के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया किः

5 जनवरीः साहिबगंज बनाम गोड्डा (स्थानः गोड्डा)

6 जनवरीः साहिबगंज बनाम जामताड़ा (स्थानः दुमका)

7 जनवरीः साहिबगंज बनाम दुमका (स्थानः दुमका)

8 जनवरीः साहिबगंज बनाम पाकुड़ (स्थानः दुमका)

गोड्डा में पहला मैच खेलने के तुरंत बाद टीम दुमका के लिए प्रस्थान करेगी, जहाँ अगले तीन दिनों तक लगातार कड़े मुकाबले खेले जाएंगे। रविवार को टीम की रवानगी के समय साहिबगंज बस स्टैंड पर उत्साह का माहौल देखा गया। जिला सचिव अंकुर सिन्हा, चंदन यादव और प्यूशम सिंह सहित कई खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनकी हौसला अफजाई की। पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि युवा खिलाड़ी बेहतर तालमेल और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों ने भी जीत के प्रति अपना आत्मविश्वास जाहिर किया है। जिले के क्रिकेट प्रेमियों की नजरें अब 5 जनवरी को होने वाले पहले मैच पर टिकी हैं।

राजमहल के काली घाट में कछुओं की रहस्यमय मौतः एक साथ 10-15 मृत कछुए मिलने से हड़कंप, जल प्रदूषण या जहर की आशंका

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के काली घाट में शुक्रवार को एक अत्यंत चिंताजनक और हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ गंगा नदी के तट और घाट के विभिन्न हिस्सों में भारी संख्या में कछुए मृत पाए गए। एक साथ करीब 10 से 15 कछुओं के शव मिलने से स्थानीय लोगों में दहशत और पर्यावरण प्रेमियों में गहरा रोष व्याप्त है। शुक्रवार सुबह जब लोग स्नान और अन्य कार्यों के लिए काली घाट पहुँचे, तो उन्होंने घाट के किनारे इधर-उधर बिखरे हुए मृत कछुओं को देखा। देखते ही देखते यह खबर पूरे राजमहल नगर में आग की तरह फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जलीय जीवों की इस तरह सामूहिक मृत्यु ने क्षेत्र की पारिस्थितिकी (Ecology) पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस घटना के पीछे किसी बड़ी अनहोनी या मानवीय लापरवाही की आशंका जताई है। ग्रामीणों का मानना है कि इतनी बड़ी संख्या में कछुओं की मौत सामान्य नहीं हो सकती। इसके पीछे निम्नलिखित प्रमुख कारण होने की आशंका जताई जा रही हैः

जल प्रदूषणः नदी में किसी जहरीले रसायन या औद्योगिक कचरे का बहाव।

अवैध शिकारः शिकारियों द्वारा कछुओं को पकड़ने के लिए पानी में किसी विषैले पदार्थ का प्रयोग।

महामारीः जलीय जीवों में फैलने वाली कोई विशेष बीमारी।

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने इस घटना को जैव विविधता (Biodiversity) के लिए एक बड़ा खतरा बताया है। उनका कहना है कि कछुए गंगा की सफाई और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि इनकी मौत के कारणों का जल्द पता नहीं लगाया गया, तो अन्य जलीय जीवों और नदी के किनारे रहने वाली आबादी पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है। घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण न आने पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है। पर्यावरण प्रेमियों ने पुरजोर मांग की है किः

वन विभाग तत्काल मौके पर पहुँचकर मृत कछुओं का पोस्टमार्टम कराए।

नदी के पानी की वैज्ञानिक जांच (Water Testing) कराई जाए ताकि जहर या रसायनों की मौजूदगी का पता चल सके।

काली घाट क्षेत्र में नियमित गश्ती और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था हो ताकि अवैध गतिविधियों पर लगाम लग सके।

जलीय जीवों की सुरक्षा न केवल नैतिक बल्कि कानूनी जिम्मेदारी भी है। राजमहल के काली घाट की यह घटना सीधे तौर पर प्रशासन की चौकसी पर सवाल उठाती है। अब देखना यह है कि वन विभाग और जिला प्रशासन इस संवेदनशील मुद्दे पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है और दोषियों को बेनकाब करता है।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता के मूल्यों पर हमलाः राजद जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव

संवाददाता

साहिबगंज। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में बदलाव और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाकर 'वीजी राम जी' (VG Ram Ji) जोड़े जाने के केंद्र सरकार के संभावित निर्णय पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। साहिबगंज राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव ने भाजपा सरकार के इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक वैचारिक हमला करार दिया है।राजद नेता दिनेश कुमार यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला कोई सामान्य प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक 'सचेत वैचारिक निर्णय' है। उन्होंने कहा, "महात्मा गांधी श्रम की गरिमा, सामाजिक न्याय और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब व्यक्ति के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी के प्रतीक हैं। भाजपा और आरएसएस का यह कदम गांधीजी के इन शाश्वत मूल्यों के प्रति उनके दीर्घकालिक असहजता और अविश्वास को दर्शाता है।" श्री यादव ने प्रस्तावित नए विधेयक की खामियों को उजागर करते हुए कहा कि यह केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि यह गरीबों के 'कानूनी काम के अधिकार' को समाप्त करने की एक गहरी साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया किः

वर्तमान मनरेगा एक वैधानिक अधिकार (Statutory Right) है, जो मांग के आधार पर रोजगार की गारंटी देता है।

्रस्तावित नया स्वरूप इसे एक केंद्र नियंत्रित योजना बना देगा, जिसमें रोजगार की कोई कानूनी गारंटी नहीं होगी।

नया विधेयक सार्वभौमिक कवरेज (Universal Coverage) को खत्म कर देगा, जिससे जरूरत के समय गरीब मजदूरों को काम मिलने का आश्वासन समाप्त हो जाएगा। राजद उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा सरकार इतिहास के उन पन्नों को मिटाना चाहती है जो गरीबों के कल्याण से जुड़े हैं। एक जन-केंद्रित कानून से राष्ट्रपिता का जुड़ाव खत्म करना न केवल उनकी विरासत का अपमान है, बल्कि ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर प्रहार है। उन्होंने चेतावनी दी कि काम के अधिकार को सीमित करने वाले किसी भी कदम का पुरजोर विरोध किया जाएगा। साहिबगंज में राजद द्वारा उठाए गए इस मुद्दे ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। दिनेश यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण मजदूरों का सुरक्षा कवच है और गांधीजी का नाम इसकी आत्मा है, जिससे छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उधवा में युवा कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष तनवीर राजा का भव्य स्वागतः संगठन की मजबूती और विस्तार पर दिया जोर

संवाददाता

साहिबगंज। युवा शक्ति को संगठित करने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ रविवार, 04 जनवरी 2026 को उधवा में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। प्रखंड कांग्रेस कार्यालय 'मोहर्रम लॉज' में आयोजित इस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष तनवीर राजा का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता और मंच संचालन उधवा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो० बदरूद्दोजा ने किया। जैसे ही नवनियुक्त जिला अध्यक्ष कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उधवा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवाओं का जोश देखते ही बनता था। उपस्थित युवाओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष तनवीर राजा ने संगठन के प्रति अपनी भावी रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, "मुझ पर जो भरोसा पार्टी नेतृत्व ने जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरूँगा। मेरा मुख्य उद्देश्य युवा कांग्रेस को जमीनी स्तर (Grassroot Level) पर मजबूत बनाना है। संगठन में अनुशासन और सक्रियता को प्राथमिकता दी जाएगी।"

संबोधन के मुख्य बिंदुः

संगठन विस्तारः जल्द ही युवा प्रखंड कमेटी का विस्तार किया जाएगा ताकि हर गांव और टोले तक कांग्रेस की आवाज पहुँच सके।

नई नियुक्तियांः वैसे युवा जो कांग्रेस की विचारधारा और देश के प्रति समर्पित होकर कार्य करना चाहते हैं, उनके लिए संगठन के द्वार खुले हैं।

पुरस्कार और सम्मानः प्रखंड स्तर पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिला कमेटी में स्थान देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी, जिला सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर आरिफ आलम, प्रखंड महासचिव प्रेम सरकार, मो० मुरसालिम, गुफरान आलम, ख़लेक सेख, करीम नदाब, केरामुल हक, तारिक अख्तर, जसीम अख्तर, तारिक अनवर, शमीम सेख, सिफरन अख्तर, वसीम अकरम, सोनू घोष, समीर, रॉयल, कादिर, जमील, रिजवान, सोनू सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित थे। तनवीर राजा की नियुक्ति से उधवा सहित पूरे जिले के युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। स्थानीय नेताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में जिले में कांग्रेस की पकड़ युवाओं के बीच और अधिक मजबूत होगी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और संगठन की एकता के नारों के साथ हुआ।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत जागरूकता रथ रवाना

संवाददाता

पाकुड़ । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के शुभारंभ अवसर पर आज उपायुक्त मनीष कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी, अंचलाधिकारी पाकुड़ अरबिंद कुमार बेदिया के द्वारा संयुक्त रूप से वीआईपी रोड, पाकुड़ से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जागरूकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजनों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, ओवर- स्पीडिंग से बचाव तथा नशे की हालत में वाहन

न चलाने जैसे महत्वपूर्णसंदेशों के प्रति जागरूक करेगा सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन" सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के थीम के तहत जागरूकता अभियान* इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार* ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ जीवन एवं संपत्ति की क्षति का एक प्रमुख कारण बनती जा रही हैं। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का थीम "सीख से सुरक्षा,टेक्नोलॉजी से परिवर्तन" है, जिसके तहत नागरिकों को यातायात नियमों की शिक्षा देकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास किया

जा रहा है।उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ जिले के स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश देगा।उन्होंने सभी नागरिकों से अपील किया कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।छोटी सावधानियाँ, बड़ी सुरक्षा उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए छोटी-छोटी सावधानियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा

» उपायुक्त ने वीआईपी रोड से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
» सीख से सुरक्षा थीम के तहत नागरिकों को यातायात नियमों की शिक्षा देकर दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयासः- उपायुक्त

कि दोपहिया वाहन चलाते समय चालक एवं पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट पहनना, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग ओवर - स्पीडिंग से बचना वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियाँ न बैठाना,अनावश्यक हॉर्न का प्रयोग न करना, जैसे नियमों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि वाहन चलाते समय हमेशा निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा केवल वैध लाइसेंसधारी व्यक्ति को ही वाहन चलाने की अनुमति दें। जागरूकता का लक्ष्य -युवा पीढ़ी उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह को पूरे महीने मनाने का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है, बल्कि स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों तक जागरूकता पहुँचाना है, क्योंकि सड़क सुरक्षा,नशा मुक्ति एवं अनुशासित जीवन शैली आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं। नशे से दूर रहने एवं शराब के सेवन में कमी लाने से सड़क दुर्घटनाओं में सकारात्मक कमी देखी गई है।उन्होंने बताया कि बीते एक वर्ष में जिले में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए गए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। उन्होंने कहा कि हर दुर्घटना एक मानव जीवन से जुड़ी होती है, इसलिए आंकड़ों की तुलना उचित नहीं है, लेकिन दुर्घटनाओं में आई कमी यह दर्शाती है कि किए गए प्रयासों का प्रतिफल अवश्य मिला है। उपायुक्त ने बताया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, विशेषकर बाजार क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार स्पीड ब्रेकर का निर्माण किया गया है, ताकि यातायात को नियंत्रित कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। 01 से 31 जनवरी तक चलेंगे विविध कार्यक्रम विदित हो कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है। इस दौरान जिले में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, सेमिनार, वाहन जांच अभियान एवं शपथ कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

चिरुनबंध प्रीमियर लीग - 2026 का भव्य आयोजन, आरज़ू टीम बनी विजेता

जामताड़ा। चिरुनबंध खान क्लब की ओर से आयोजित चिरुनबंध प्रीमियर लीग (सीपीएल)-2026 का फाइनल मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए यादगार

बन गया। टूर्नामेंट का फाइनल मैच आरजू टीम और तालिब टीम के बीच खेला गया, जिसमें आरज़ू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरज़ू टीम ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ खेलते हुए निर्धारित ओवरों में 106 रनों का मजबूत लक्ष्य तालिब टीम के सामने रखा। आरज़ू टीम के बल्लेबाजों ने संयमित और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाया। टीम के शीर्ष क्रम और मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने अहम योगदान दिया, जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तालिब टीम ने शुरुआत तो संभलकर की, लेकिन आरज़ू टीम के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट चटकाए। तालिब टीम दबाव में आ गई और निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। वही तालिब टीम 30 रनों से मुकाबला हार गई और आरज़ू टीम ने सीपीएल-2026 की ट्रॉफी जीत ली। मैच के दौरान मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खेल भावना, अनुशासन और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गांव के प्रधान शमीम खान और वार्ड सदस्य साहब खान उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई दी और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है और आपसी एकता मजबूत होती है। आयोजन समिति की ओर से टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सभी समिति सदस्यों, खिलाड़ियों, अंपायरों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया गया। चिरुनबंध खान क्लब द्वारा आयोजित सीपीएल-2026 ने क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच देने का सराहनीय कार्य किया, जिसकी ग्रामीणों ने खुले दिल से प्रशंसा की।

उप विकास आयुक्त के सेवानिवृत्ति पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

» अनुभव कार्य करते-करते प्राप्त होता है, वहीं से पूर्णता का मार्ग प्रशस्त होता है":-उप विकास आयुक्त

पाकुड़ । उप विकास आयुक्त, पाकुड़ महेश कुमार संथालिया के सेवानिवृत्ति के अवसर पर परिसदन, पाकुड़ परिसर में विदाई सह

सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के वरीय प्रशासनिक एवं न्यायिक अधिकारियों,पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों ने उनकी

प्रशासनिक सेवाओं को स्मरण करते हुए भावभीनी विदाई दी समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि उप विकास आयुक्त संथालिया का सेवाकाल ईमानदारी, अनुशासन, पारदर्शिता एवं संवेदनशील प्रशासन का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उनके कुशल नेतृत्व में जिले में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ तथा जनहित से जुड़े अनेक कार्यों को नई दिशा एवं गति मिली अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने कहा कि किसी भी कार्य की शुरुआत में अनुभव नहीं होता, अनुभव कार्य करते-करते ही प्राप्त होता है और वहीं से पूर्णता का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा समाज एवं आम जनता की सेवा का सशक्त माध्यम है। यदि कार्यों का संचालन नियमों एवं मूल उद्देश्य के अनुरूप नहीं किया जाए, तो उसका वास्तविक लाभ जनसामान्य तक नहीं पहुँच पाता है। इसलिए प्रत्येक कार्य को सुव्यवस्थित एवं उद्देश्यपरक ढंग से क्रियान्वित करना आवश्यक है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग एवं अनुभवों को अविस्मरणीय बताते हुए सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन भविष्य में भी जनसेवा के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ता रहेगा इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया अपने कार्यों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध, कर्मठ एवं समर्पित पदाधिकारी रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सौंपे गए सभी दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं सरलता के साथ किया। उनकी कार्यशैली में अनुशासन, समयबद्धता एवं टीम भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती रही, जिसके कारण जिले के विकास कार्यों को नई दिशा एवं गति प्राप्त हुई। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन कार्यों के सफल संचालन के साथ-साथ विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। उनके मार्गदर्शन में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाओं में पाकुड़ जिला राज्य स्तर पर अग्रणी स्थान पर रहा है इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे सहित अन्य वक्ताओं ने भी उप विकास आयुक्त के प्रशासनिक योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय भविष्य की शुभकामनाएँ दींसम्मान समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे, उपायुक्त मनीष कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, परियोजना निदेशक, आईटीडीए द्वारा सेवानिवृत्त उप विकास आयुक्त को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

उपायुक्त ने आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा, जनस्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण पर दिया विशेष बल

संवाददाता

पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, जन-जागरूकता एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी आयुष स्वास्थ्य शिविरों के दौरान टीबी, कुष्ठ रोग (लेप्रोसी), कालाजार एवं अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर जागरूक एवं उपचार हेतु प्रेरित करें। उपायुक्त ने कहा कि आगामी माह में प्रस्तावित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयुष विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाओं के सेवन के लाभों की जानकारी देंगे, ताकि लोग स्वेच्छा से दवा का सेवन कर सकें और कार्यक्रम का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि 12 जनवरी को युवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में आयुष विभाग के सभी कर्मी सक्रिय भागीदारी निभाएं, स्वयं रक्तदान करें तथा आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करें। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि योग प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षिकाएँ योग शिविरों के माध्यम से फाइलेरिया, कालाजार, टीबी एवं कुष्ठ रोग के प्रति जन-जागरूकता फैलाएँ तथा संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करें, ताकि उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ कार्य करने वाले आयुष कर्मियों को चिन्हित कर सम्मानित किया जाएगा, जिससे कार्य के प्रति सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और प्रेरणा का वातावरण बने।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने जिले में हर्बल गार्डन विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे आयुष पद्धति को बढ़ावा देने के साथ-साथ औषधीय पौधों के संरक्षण एवं जन- जागरूकता को भी बल मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि आयुष विभाग जनस्वास्थ्य की मजबूती में एक सशक्त माध्यम है, और सभी कर्मियों को समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जिले को रोगमुक्त बनाने की दिशा में सतत प्रयास करना चाहिए

मुफ्फासिल थाना क्षेत्र के झिकर हट्टी गांव मे बम बाज़ी करते वीडियो आया सामने

संवाददाता

पाकुड़ ।सूत्रों से घटना के मास्टर माइंड और क्षेत्र का दबंग आरोपी दर्ज़ेनो मामले मे वांछित आरोपी है जो मालपहाड़ी थाना क्षेत्र के कई गांव मे जुआ और औरत को अपना हवस का शिकार ऐन कैन प्रकार जुआ और सट्टा का नशा लगाकर

अंजाम देता है इसे पुलिस का वरदान प्राप्त होने की खबरें सूत्रों से प्राप्त है ग्रामीणों का कहना है उक्त बैदूल शेख के विरुद्ध कई मामले दर्ज़ है पर मालपहाड़ी पुलिस जान बुझ कर नहीं पकड़ती है गुप्त चर की खबरें प्राप्त होने पर अपनी होशियारी कर पुलिस उसे सुरक्षित कर देती है सूत्रों के हवाले से उक्त क्षेत्र मे भारी जुआ सट्टा का कारोबार को अंजाम देता है और मोटी रकम पैकज डालता है यह रिश्ता भी बड़ा अजीब है जो इन कलियुग के इस तरह के रावण का अंत कैसे हो कैसे न्याय का दरवाजा खुले एक प्रश्न चिन्ह है आखिर कब तक इन्हे संग़रक्षण मिलेगा कब

» आरोपी बैदुल शेख के विरुद्ध पूर्व मे कई कांड है दर्ज़ जो अब तक है पुलिस के लम्बे हाथो से दुर

तक बहु बेटी की इज़्ज़त नीलाम होती रहेगी आखिर इस तरह के अमानवीय और कुरुर दहशत गर्द को मुफ्फासिल और माल पहाड़ी थाना और ज़िम्मेदार पुलिस पदाधिकारी का संगराक्षण कब तक मिलेगा आज यह सवाल सभी के सामने एक बड़ा गंभीर सवाल है

उपायुक्त ने जिला ग्रामीण विकास शाखा सहित विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

संवाददाता

पाकुड़ । उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा जिला ग्रामीण विकास शाखा, जिला विकास शाखा, जिला योजना कार्यालय एवं जल छाजन कार्यालय का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण एवं अनुशासन की स्थिति की समीक्षा की।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी फाइलों को अद्यतन रखा जाए तथा आगत- निर्गत पंजी एवं सी.एल. पंजी को नियमित रूप से संधारित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी फाइल को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा कार्यों का निष्पादन समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि सभी कर्मी समय पर कार्यालय उपस्थित रहें तथा कार्यालय परिसर में स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा कि कार्यालय की कार्यसंस्कृति का सीधा प्रभाव आम

» फाइल प्रबंधन, समयबद्ध कार्य निष्पादन एवं स्वच्छता पर दिया विशेष जोर

जनता को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ता है, इसलिए सभी कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बताया कि अबुआ आवास योजना एवं मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में पाकुड़ जिला राज्य स्तर पर अब भी अग्रणी (नंबर वन) बना हुआ है, जो जिले के अधिकारियों एवं कर्मियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने इसी प्रतिबद्धता के साथ आगे भी कार्य करने का आह्वान किया।

पाकुड़ में 'गांधीगिरी' से सड़क सुरक्षा का अभिनव संदेश

संवाददाता

पाकुड़ ।नववर्ष 2026 की शुरुआत पाकुड़ जिले में केवल उत्सव तक सीमित नहीं रही, बल्कि "सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा" के संकल्प के साथ एक नई सामाजिक जागरूकता की मिसाल कायम की गई। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के अंतर्गत "सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन" थीम पर आधारित एक अनोखा एवं संवेदनशील अभियान का आयोजन सिद्धू कान्हू पार्क के समीप किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने गांधीवादी शैली अपनाते हुए आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट एवं ट्रिपल लोडिंग करने वाले चालकों को चालान के बजाय माला पहनाकर नियमों के पालन का संदेश दिया गया। दुर्घटनाएँ किस्मत से नहीं, लापरवाही से होती हैंः- डीसी अभियान का नेतृत्व कर रहे उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ जीवन एवं परिवार को गहरे संकट में डाल देती हैं। उन्होंने कहा कि यह सोच छोड़नी होगी कि किस्मत साथ देगी। सुरक्षा ही सबसे बड़ा कवच है। हेलमेट, सीट बेल्ट और गति सीमा का पालन करके ही हम अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने कहा कि हेलमेट सिर की सुरक्षा के लिए है, न कि घर में शो-पीस के लिए। दुर्घटना बिना सूचना के आती है, इसलिए सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। ड्रिंक एंड ड्राइव पर जीरो टॉलरेंस उपायुक्त ने नशे में वाहन चलाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यह न केवल अपराध है, बल्कि जानलेवा भी है। साथ ही यह भी अपील किया कि कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में हो तो उसे वाहन चलाने की अनुमति न दी जाए। 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 50 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य झारखंड सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत तक कम करने का

» हेलमेट व सीट बेल्ट पहनने पर गुलाब, नियम तोड़ने पर माला पहनाकर दी सीख

लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 01 से 31 जनवरी 2026 तक जिले भर में जागरूकता रथ, स्कूल-कॉलेजों में कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक एवं विशेष वाहन जांच अभियान चलाए जाएंगे। प्रशासन की अपीलदोपहिया वाहन पर चालक एवं पिलियन राइडर दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग आवश्यक, ओवर स्पीडिंग एवं अनावश्यक हॉर्न से बचें,केवल लाइसेंसधारी व्यक्ति को ही वाहन चलाने दें

एमडीए–आईडीए 2026 अभियान को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ जिले में लिम्फेटिक फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से आयोजित होने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन 2026 अभियान को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों, माइक्रोप्लान, दवा वितरण रणनीति एवं निगरानी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि पाकुड़ जिले में MDA–IDA 2026 अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलास्तर पर माइक्रोप्लान तैयार कर लिया गया है। 10 फरवरी को बूथ डे से होगी अभियान की शुरुआत अभियान

की शुरुआत 10 फरवरी 2026 को बूथ डे के साथ होगी, जिसके अंतर्गत जिले के कुल 1,286 बूथों के माध्यम से दवा सेवन कराया जाएगा। अभियान की प्रभावी निगरानी एवं संचालन के लिए 27 ट्रांजिट टीमों तथा 153 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। 11 से 13 फरवरी तक विद्यालयों एवं जन वितरण प्रणाली (PDS) केंद्रों के माध्यम से दवाएं खिलाई जाएंगी। इस दौरान PDS केंद्रों पर अनाज लेने आनेवाले लाभार्थियों को उसी समय दवा सेवन कराया जाएगा,

» 10 से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

ताकि अधिकतम आबादी को कवर किया जा सके। 14 एवं 15 फरवरी को कार्यालयों, बैंकों के कर्मचारियों एवं दुकानदारों को दवाएं खिलाई जाएंगी। इसके पश्चात 16 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर दवा सेवन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को एल्बेंडाजोल, डीईसी (DEC) एवं आइवरमेक्टिन दवाएं खिलाई जाएंगी। हालांकि 2 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति दवा सेवन से मुक्त रहेंगे।

सड़क दुर्घटना में जवान हुआ घायल, पलामू आईजी का है बॉडीगार्ड

संवाददाता

लातेहार । रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर सदर थाना क्षेत्र के कोमो नर्सरी के पास में एक

सड़क हादसे में पुलिस का जवान नीरज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल जवान पलामू आईजी के बॉडीगार्ड के रूप में कार्यरत है। मिली जानकारी के अनुसार मेदिनीनगर के बैरिया चौक निवासी नीरज कुमार अपने बाइक से मेदिनीनगर से रांची जा रहे थे। रांची से उन्हें कोलकाता के लिये ट्रेन पकड़ना था नीरज कुमार जब लातेहार के कोमो नर्सरी के पास में पहुंचे तो पीछे से आ रहे एक काले रंग की अज्ञात स्कॉर्पियो कार ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर दी थी। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉपियो से कुछ लोग उतरे और घायल के बाइक का चाबी को भी अपने साथ लेकर फरार हो गये। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सदर अस्पताल लातेहार पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार करने के बाद में चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुये रांची के रिम्स रेफर कर दिया। इलाज कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि नीरज कुमार के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई हुई है। पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है और फरार वाहन की तलाश की जा रही है।

महागामा के ऊर्जा नगर में स्वदेशी मेले का शंखनादः 9 तारीख से राजेंद्र स्टेडियम में सजेगी स्वदेशी उत्पादों की दुनिया

संवाददाता

गोड्डा/महागामा। 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने और स्थानीय कारीगरों के हुनर को मंच देने के उद्देश्य से महागामा में एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। महागामा प्रखंड के ऊर्जा नगर स्थित राजेंद्र स्टेडियम में आगामी 9 तारीख से 10 दिवसीय 'स्वदेशी मेला' की शुरुआत होगी। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित इस मेले को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस 10 दिवसीय मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्पकार और कारीगर अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन करेंगे। मेले में आने वाले दर्शकों के लिए शुद्ध स्वदेशी और प्राकृतिक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी।

मेले के मुख्य आकर्षणः

हस्तशिल्प और सजावटः मिट्टी, लकड़ी और धातु से बने अद्भुत सजावटी सामान।

परिधानः देश के विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक स्वदेशी कपड़े और बुनकरों द्वारा तैयार वस्त्र।

आयुर्वेद और स्वास्थ्यः प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित आयुर्वेदिक उत्पाद।

घरेलू वस्तुएंः किचन और घर के उपयोग के लिए किफायती और टिकाऊ स्वदेशी सामान।

स्वदेशी जागरण मंच के आयोजकों ने बताया कि इस मेले का आयोजन केवल व्यापार के लिए नहीं, बल्कि एक विचारधारा के प्रचार के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और स्थानीय कारीगरों को सीधे बाजार उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें उनके हुनर का उचित मूल्य मिल सके। आयोजकों के अनुसार, "जब हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो उसका सीधा लाभ हमारे देश के गरीब और मेहनतकश कारीगरों को मिलता है।" मेला पूरी तरह से पारिवारिक माहौल को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। खरीदारी के साथ-साथ यहाँ बच्चों और युवाओं के लिए मनोरंजन के साधन, विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजनों के स्टॉल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की गई है। सुरक्षा और जनसुविधाओं का भी विशेष ख्याल रखा गया है। स्वदेशी जागरण मंच और आयोजन समिति ने महागामा सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि वे इस मेले में परिवार सहित पहुँचें। विदेशी उत्पादों के बढ़ते प्रभाव के बीच स्वदेशी अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

आदिवासी संस्कृति और परंपरा का महासंगमः 7 जनवरी को महागामा के राजेंद्र स्टेडियम में सजेगा भव्य 'सोहराय महोत्सव'

संवाददाता

गोड्डा/महागामा। झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम और गौरवशाली परंपराओं का जीवंत नजारा आगामी 7 जनवरी को महागामा में देखने को मिलेगा। ऊर्जानगर स्थित राजेंद्र स्टेडियम में 'आताड़ दाराम दिशोम सोहराय पोरोब–2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 'जोहार आदिवासी, महागामा' द्वारा आयोजित यह महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता और विरासत का प्रतीक बनेगा। सोहराय पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की अपनी मिट्टी, प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक माध्यम है। आयोजकों ने बताया कि इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आधुनिकता के दौर में अपनी पारंपरिक जड़ों को मजबूती देना और नई पीढ़ी को पूर्वजों की गौरवशाली संस्कृति से रूबरू कराना है।

महोत्सव के मुख्य आकर्षणः

पारंपरिक वेशभूषा और नृत्यः महोत्सव में आदिवासी समाज के पुरुष और महिलाएं अपनी पारंपरिक पोशाकों में सज-धजकर लोक गीतों और मांदर की थाप पर थिरकते नजर आएंगे।

रीति-रिवाज और रीति-नीतिः सनातन आदिवासी परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना और विधि-विधान का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा।

सांस्कृतिक संदेशः कार्यक्रम के दौरान "आपे सानाम दिशोम पेड़ा मानोत, सालाक ले आताड़ दारामेंत" के आत्मीय संदेश के साथ मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए 'जोहार आदिवासी, महागामा' की पूरी टीम जुटी हुई है। हाल ही में कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। आयोजकों ने एक स्वर में "जोहार आदिवासी" का उद्घोष करते हुए क्षेत्र के सभी ग्रामीणों और प्रबुद्ध जनों से इस महोत्सव में सादर आमंत्रित होने की अपील की है। कमेटी के सदस्यों का कहना है कि यह आयोजन न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता और आत्मसम्मान को प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच है। स्थानीय लोगों से आह्वान किया गया है कि वे 7 जनवरी 2026 को अधिक से अधिक संख्या में राजेंद्र स्टेडियम पहुँचें। सोहराय की खुशियों को एक-दूसरे के साथ साझा करें और इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनें।

CPL-2026ः चिरुनबंध प्रीमियर लीग के फाइनल में आरज़ू टीम का दबदबा, तालिब टीम को 30 रनों से हराकर जीती ट्रॉफी

संवाददाता

जामताड़ा। खेल प्रेमियों के लिए रविवार का दिन बेहद रोमांचक रहा। चिरुनबंध खान क्लब द्वारा आयोजित चिरुनबंध प्रीमियर लीग (CPL)-2026 का भव्य समापन हुआ। टूर्नामेंट के हाई-वोल्टेज फाइनल मुकाबले में आरज़ू टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए तालिब टीम को 30 रनों के अंतर से पराजित कर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मैच की शुरुआत में आरज़ू टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक और संयमित खेल का बेहतरीन तालमेल पेश किया। निर्धारित ओवरों में आरज़ू टीम ने स्कोरबोर्ड पर 106 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। टीम के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे टीम एक मजबूत स्थिति में पहुँच सकी। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तालिब टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन आरज़ू टीम के गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों को बांधे रखा। अंतराल पर गिरते विकेटों के कारण तालिब टीम दबाव में आ गई। आरज़ू टीम की तगड़ी गेंदबाजी के सामने तालिब टीम के बल्लेबाज पस्त नजर आए और पूरी टीम लक्ष्य से 30 रन पीछे रह गई। इस जीत के साथ ही आरज़ू टीम के खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गांव के प्रधान शमीम खान और विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड सदस्य साहब खान उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी और उपविजेता टीम को रनर-अप कप प्रदान किया। प्रधान शमीम खान ने अपने संबोधन में कहा, "खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस तरह के आयोजनों से क्षेत्र की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को मंच मिलता है।" वार्ड सदस्य साहब खान ने भी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में चिरुनबंध खान क्लब के सदस्यों की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति ने अंपायरों, खिलाड़ियों और बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने इस आयोजन की खुले दिल से प्रशंसा की और इसे क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला एक ऐतिहासिक कदम बताया।

जामताड़ा कॉलेज में सोहराय की धूमः सांसद नलिन सोरेन के साथ मांदर की थाप पर झूमे छात्र और अधिकारी

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा कॉलेज परिसर में रविवार को आदिवासी संस्कृति और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था 'सोहराय मिलन समारोह' का, जिसमें दुमका के सांसद नलिन सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों ने ऐसा समां बांधा कि सांसद से लेकर प्रशासनिक अधिकारी तक खुद को झूमने से नहीं रोक सके। कार्यक्रम का शुभारंभ नाइकी और गुडेत द्वारा पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया गया। कॉलेज पहुँचने पर सांसद नलिन सोरेन का भव्य स्वागत आदिवासी नृत्य और पारंपरिक गीतों के साथ किया गया। स्वागत के दौरान छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था। सांसद के साथ-साथ जामताड़ा के अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) अनंत कुमार, सांसद प्रतिनिधि अशोक मंडल, झामुमो नेता प्रदीप मंडल, अंचल अधिकारी (CO) अबिश्वर मुर्मू और सुनील कुमार हांसदा ने भी मांदर बजाया और सोहराय गीतों पर थिरक कर उत्सव की रौनक बढ़ा दी। समारोह के दौरान सांस्कृतिक उत्सव के साथ-साथ कॉलेज के शैक्षणिक विकास का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। कॉलेज के प्राचार्य कौशल ने सांसद नलिन सोरेन को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें जामताड़ा कॉलेज में स्नातकोत्तर (PG) की पढ़ाई शुरू कराने की मांग की गई। प्राचार्य ने बताया कि जिले के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी कठिनाई होती है। ज्ञापन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सांसद नलिन सोरेन ने कहा, "जामताड़ा कॉलेज का विकास हमारी प्राथमिकता है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले छात्रों के लिए यहाँ छात्रावास (Hostel) की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। मैं झारखंड सरकार और कल्याण विभाग के माध्यम से छात्रावास निर्माण के लिए हरसंभव प्रयास करूँगा।" उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कॉलेज में पीजी की पढ़ाई शुरू कराने की दिशा में भी वे जल्द ही ठोस पहल करेंगे। सांसद ने उपस्थित जनसमूह को सोहराय की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें प्रकृति से जुड़ने और पशुधन के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की सीख देता है। वहीं, SDO अनंत कुमार ने संथाल समाज की सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज की नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, जो गौरव की बात है। समारोह का समापन एक सामूहिक नृत्य के साथ हुआ, जिसमें छात्र-छात्राएं, कॉलेज के शिक्षक और सभी विशिष्ट अतिथि एक कतार में लगकर सोहराय गीतों पर झूमे। जामताड़ा कॉलेज के इतिहास में यह सोहराय मिलन समारोह अपनी भव्यता और आत्मीयता के लिए लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

परंपरा और सेवा का अनूठा संगमः जामताड़ा में सोहराय मिलन व तिल दान अनुष्ठान संपन्न, विशिष्ट जन हुए सम्मानित

संवाददाता

जामताड़ा। सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और मानवीय सेवा के संकल्प के साथ रविवार, 04 जनवरी 2026 को जामताड़ा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री श्री सार्वजनिक मां काली मंदिर ट्रस्ट (स्टेशन रोड) और जिला सरना समिति, जामताड़ा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस 'सोहराय मिलन समारोह' एवं 'तिल दान अनुष्ठान' ने समाज को एकता और सेवा का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन लवली देवी के सौजन्य से संपन्न हुआ। इसकी शुरुआत वृद्धाश्रम में आयोजित 'तिल दान अनुष्ठान' से हुई, जहाँ आश्रम के बुजुर्गों, पत्रकारों और प्रबुद्ध नागरिकों ने मिलकर तिल दान किया। यह अनुष्ठान न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आपसी भाईचारे और सेवा भावना पर विशेष जोर दिया। समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट जनों को 'सोहराय सम्मान' से नवाजा गया। इसके साथ ही, सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए चयनित जरूरतमंद महिलाओं के बीच वस्त्र वितरण किया गया। संस्था की ओर से उन युवाओं और नागरिकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने बीते 25 दिसंबर को काली मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया था। इस सम्मान का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और दूसरों को जीवन बचाने के इस महान कार्य के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रियंका सिंह उपस्थित रहीं। उनके साथ लवली देवी और अनीता साव की भी गौरवपूर्ण उपस्थिति रही। सम्मानित होने वाले विशिष्ट जनों में मुख्य रूप से सुनील बास्की, डॉ. मंजुला मुर्मू, सुधीर सोरेन, एवमाईल टूटू, बलदेव मुर्मू, हेमलाल टुडू, देवेंद्र मुर्मू, नंदकिशोर बास्की, संजय पाहन, निर्मल मरांडी, मनोरंजन बनर्जी, आनंद टुडू और विजय राउत शामिल थे। मां काली मंदिर ट्रस्ट की ओर से बुद्ध गोपाल भट्टाचार्य, सुनील साव, गोपू भंडारी, बजरंग बर्मन, सुभाष नाग समेत अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल संचालन और प्रबंधन में सराहनीय भूमिका निभाई। यह आयोजन जामताड़ा में सांस्कृतिक जड़ों की मजबूती और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला एक सकारात्मक प्रयास बताया।

लाधना डैम के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फतेहपुर का पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

संवाददाता

जामताड़ा। खुशहाली, आपसी मेल-मिलाप और कार्यक्षेत्र के तनाव से दूर एक सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, फतेहपुर का वार्षिक वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। जामताड़ा जिले के प्रसिद्ध एवं रमणीय पर्यटन स्थल लाधना डैम में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सदस्यों ने प्रकृति की गोद में यादगार समय बिताया। इस वनभोज की विशेषता यह रही कि इसमें विद्यालय के आचार्य, दीदी, कर्मचारी और प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य केवल अकेले नहीं, बल्कि अपने-अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। लाधना डैम की हरियाली और खुले वातावरण में बच्चों और परिजनों के साथ सामूहिक मनोरंजन, हंसी-मजाक और संवाद के दौर ने इस आयोजन को एक उत्सव का रूप दे दिया। सभी ने मिलकर पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। विद्यालय के सचिव रंजीत मंडल ने इस अवसर पर कहा, "यह केवल एक पिकनिक नहीं है, बल्कि विद्यालय परिवार को एक सूत्र में पिरोने की एक महत्वपूर्ण वार्षिक गतिविधि है। ऐसे आयोजनों से सभी सदस्यों के बीच आपसी समझ और संबंध मजबूत होते हैं, जिससे अंततः विद्यालय के कार्य वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।" प्रधानाचार्य आनंद मिश्रा ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "प्रबंधन समिति और आचार्य-दीदी के बीच बेहतर समन्वय ही विद्यालय की प्रगति का आधार है। सपरिवार इस तरह के आयोजनों में मिलना-जुलना एक 'समन्वय सेतु' का कार्य करता है। जब हम एक-दूसरे के परिवारों से मिलते हैं, तो आत्मीयता बढ़ती है, जो विद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास में बेहद सहायक सिद्ध होती है।" इस वनभोज के सफल आयोजन से विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखा गया। प्रकृति के सानिध्य में बिताए गए ये पल सभी के लिए यादगार बन गए।

फतेहपुर में पीडीएस वितरण प्रणाली हुई 'हाई-टेक': 2जी के बदले मिलीं 4जी ई-पॉस मशीनें, लाभुकों को मिलेगा समय पर अनाज

संवाददाता

जामताड़ा। सरकारी राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, तीव्र और सुगम बनाने की दिशा में फतेहपुर प्रखंड में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रविवार को फतेहपुर प्रखंड सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) के दुकानदारों के बीच अत्याधुनिक फोर-जी (4G) ई-पॉस मशीनें वितरित की गईं। प्रखंड कृषि पदाधिकारी हरिपद रुई दास और जन वितरण विक्रेता संघ के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र महतो ने संयुक्त रूप से इस वितरण अभियान का शुभारंभ किया। विजन टेक कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों—प्रदीप कुमार, राकेश कुमार और सुकुमार पंडित ने मौके पर उपस्थित सभी विक्रेताओं को नई मशीनों के संचालन, तकनीकी बारीकियों और रख-रखाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अभियान के दौरान नई 4G मशीनें प्रदान करने के साथ ही, पुरानी हो चुकी 2G मशीनों की बैटरी, एंटीना और सिम कार्ड वापस जमा कर लिए गए। पीडीएस संघ के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र महतो और सचिव शिरोमणि यादव ने नई मशीनों का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से दुकानदार पुरानी 2G मशीनों के भरोसे थे, जो अब जर्जर हो चुकी थीं। उन्होंने बताया, "कमजोर नेटवर्क और धीमी गति के कारण अनाज वितरण में काफी समय लगता था। इससे लाभुकों को घंटों इंतजार करना पड़ता था और अक्सर विवाद की स्थिति पैदा होती थी। अब 4G तकनीक आने से वितरण प्रक्रिया न केवल तेज होगी, बल्कि सर्वर और नेटवर्क की समस्याओं से भी बड़ी राहत मिलेगी।" नई मशीनों के आ जाने से अब कम समय में अधिक लाभुकों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे दुकानदारों के समय की बचत होगी और उपभोक्ताओं को भी राशन दुकान पर लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के दर्जनों जनवितरण विक्रेताओं ने नई मशीनें प्राप्त कीं, जिनमें मुख्य रूप से मनोज महतो, विकास मोदी, तपन गण, बलदेव सिंह, प्रशांत मंडल, जयधन महतो, सुमित्रा देवी, सुनीति हांसदा, समा देवी, राकेश मंडल, और सोनिका भारती शामिल थीं। इस पहल से फतेहपुर प्रखंड की जनवितरण प्रणाली में एक बड़े सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक बिना किसी देरी के पहुँच सकेगा।

नशे में वाहन चलाने वालों की अब खैर नहींः साहिबगंज में 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के खिलाफ सघन जांच, भारी जुर्माना और जेल का प्रावधान

संवाददाता

साहिबगंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के तहत साहिबगंज जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। अभियान के चौथे दिन, रविवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO) मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में पूरे जिले में 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध एक व्यापक जांच और जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान साहिबगंज जिले के सभी थाना क्षेत्रों, व्यस्त मार्गों और प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन नाकेबंदी की गई। पुलिस और परिवहन विभाग की टीम ने अल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के जरिए दोपहिया, चारपहिया, बस और ट्रक चालकों की मौके पर ही जांच की। इस दौरान नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए कई चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की धारा-185 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई और उन पर भारी जुर्माना लगाया गया।

जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने वाहन चालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा, "शराब पीकर वाहन चलाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि एक आत्मघाती कदम है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत नशे में गाड़ी चलाने पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना और 6 माह तक की जेल या दोनों का प्रावधान है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा के नियमों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना भी है। जांच के साथ-साथ टीम ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट, बुकलेट और हैंडबिल का वितरण किया। चालकों को निम्नलिखित नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गईः

वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग करें।

निश्चित गति सीमा के भीतर ही वाहन चलाएं।

वाहनों में ओवरलोडिंग से बचें।

नशे की हालत में स्टीयरिंग को हाथ न लगाएं।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझें। प्रशासन के अनुसार, इस अभियान का मुख्य लक्ष्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों को न्यूनतम करना और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित व सुदृढ़ बनाना है। इस सघन जांच अभियान में परिवहन विभाग के कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस बल की सक्रिय सहभागिता रही।

कद्दूवर्गीय सब्जियों में कीट प्रबंधन

मुख्य कीट फल मक्खी

आर्थिक क्षति एवं नुकसान

इस फल मक्खी के व्यस्क के पंख भूरे रंग के होते हैं। इसका प्रकोप फरवरी से लेकर नवम्बर तक होता है। अण्डे से मैगट निकलते हैं जोकि गूदे को खाकर उसमें स्पंज, जैसे बहुत से छेद कर देते है और फल सड़ने लगता है।

आर्थिक क्षति एवं नुकसान

जो फल जमीन पर रखे होते हैं उनको इस ग्रब के द्वारा निचले भाग में छिद्र करके काफी संख्या में प्रवेश कर जाते है तथा अंदर से खोखला कर देते है।

हाडा बीटल

आर्थिक क्षति एवं नुकसान– हाडा बीटल के व्यस्क एवं ग्रब दोनों पौधे को नुकसान पहुंचाते हैं। यह एक विशेष तरीके से पत्तियों एवं फलों को कुरेदता है और धीरे-धीरे पत्तियों एवं फलों को सुखा देता है।

पत्ती भेदक सुंडी

आर्थिक क्षति एवं नुकसान : इस कीट की सुंडी ही पौधे की पत्तियों को नुकसान करती हैं। अंडे से निकलने के बाद सुंडी रेशमी धागे के साथ पत्तियों को रोल करती है और शिराओं के बीच से पत्ती को खाती है। इस कीट की सुंडी फूल एवं फलों को भी नुकसान पहुंचाती है। नुकसान किये हुए फल बाद में सड़ने लगते हैं।

चेपा

आर्थिक क्षति एवं नुकसान– इसके निम्फ एवं व्यस्क दोनों पत्तियों को नुकसान पहुंचाते है। ये छोटे आकार के काले एवं हरे रंग के होते हैं तथा कोमल पत्तियों, पुष्पकलिकायों का रस चूसते हैं।

फलों को पेपर या प्लास्टिक से ढकना

पौधे के फलों को 2–3 दिन के अंतराल पर दो परत पेपर या प्लास्टिक से बांधना चाहिए जिससे कि फल मक्खी अपने अण्डे फलों पर नहीं दे पाती

है। इस प्रबंधन से 40–58 प्रतिशत तक फलों को नुकसान होने से बचाया जा सकता है। इस प्रबंधन का उपयोग कद्दूवर्गीय फसलों जैसे तरबूज, खरबूज, ककड़ी लौकी, तोरई, कद्दू आदि में किया जाता है।

खेत की सफाई

कीटों के प्रबंधन में सबसे प्रभावी तरीका खेत की सफाई करना होता है। फल मक्खी, चितकबरी सुंडी, लाल कद्दू बीटल, हाडा बीटल आदि के प्रजनन चक्र और जनसंख्या वृद्धि को तोड़ने के लिए गर्मी के दिनों में खेत की गहरी जुताई करें। पौधों और फलों के क्षतिग्रस्त भागों को हटा दें और नष्ट कर दें।

क्यू-आकर्षण ट्रैप

क्यू-आकर्षण ट्रैप फल मक्खी के प्रबंधन से प्रभावशाली है। क्यू-आकर्षण ट्रैप नर को आकर्षित करती है और इसके अंदर कीटनाशक रखा जाता है जिसके द्वारा नर मर जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है।

विभिन्न प्रकार के क्यू लुर-1 फलाईसीड 0.20 प्रतिशत, ऊगेलर 0.8 प्रतिशत, क्यू-लूर प्रतिशत+नैल्ड, क्यू-लुर 85 प्रतिशत+डाय्जिनोन, क्यू-लुर 95 प्रतिशत+नैल्ड आदि बाजार में उपलब्ध हैं और इनको फल मक्खी को नियंत्रित करने में प्रभावी पाया गया है। खेत में रात के समय प्रकाश के ट्रैप लगायें तथा उनके नीचे किसी बर्तन में चिपकने वाला पदार्थ जैसे सीरा अथवा गुड़ का घोल भर कर रखें।

जैविक नियंत्रण

पैरासिटॉइड्स

ये ऐसे जीव हैं जो अपने अंडे उनके पोषक कीटों के शरीर में या उनके ऊपर देते हैं और पोषक कीट के शरीर में ही अपना जीवन चक्र पूरा करते हैं। परिणामस्वरुप, पोषक कीट की मृत्यु हो जाती है। एक पैरासिटाइड्स दूसरे प्रकार का हो सकता है, यह पोषक कीट के विकास चक्र पर निर्भर करता है, जिसके आधार पर वह अपना जीवन चक्र पूरा करता है।

प्रीडेटर्स

ये स्वतंत्र रुप से रहने वाले जीव होते हैं जो कि भोजन के लिए दूसरे जीवों पर निर्भर करते हैं, उदाहरण- मकड़ियां, ड्रेगन फ्लाई, मक्खियां, डेमसेल फ्लाई, लेडी बर्ड, भृंग, क्रायसोपा, पक्षी आदि प्रजातियां महत्वपूर्ण है।

लघुपद कीट

सफेद मक्खी

आर्थिक क्षति एवं नुकसान : सफेद मक्खी की प्रकोप पत्तियों के निचली सतह पर शिराओं के बीच में होता है और यह पत्तियों से रस चूसती है। इसके प्रभाव से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, पत्ते सिकुड़ने और नीचे की और मुड़ जाते हैं। सफेद मक्खी वायरस रोग का संचारण करती है।

लीफ माइनर

आर्थिक क्षति एवं नुकसान : यह पत्तियों के ऊपरी भाग पर टेढ़े मेढ़े भूरे रंग की सुरंग बना देता है और इसका मेगट ही पत्तियों को नुकसान पहुंचाता है।

कीट प्रतिरोधक पौधे लगाना

कद्दूवर्गीय सब्जियां	फल मक्खी प्रतिरोधी किस्में
करेला	आईएच आर–89 व आईएच आर–213
घीया (लौकी)	एनबी–29, एनबी–22, एनबी–28
कद्दू	आईएचआर–35, आईएचआर–40, आईएचआर–83
तोरई	एनआर–2, एनआी–5, एनआर–7
कद्दू	अर्का सूर्यमुखी

रसायनिक नियंत्रण

कद्दूवर्गीय सब्जियों के लिये निम्नलिखित रसायनिक कीटनाशक काम में लें।

तने, पत्ती, फलों एवं फूल भेदकों के लिए रसायनिक कीटनाशी

रसायनिक कीटनाशी	मात्रा
डाइमिथिएट 30 ईसी	1.5 से 2.0 मिली/ लीटर पानी
मैलाथियान 50 ईसी	1.5 से 2.0 मिली/ लीटर पानी
स्पाईनोसेड 45 एसी सी	0.5 से 0.7 मिली/ लीटर पानी
इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी	0.5 से 0.7 मिली/ लीटर पानी

तने, पत्ती, फलों एवं फूल चूसकों के लिए रसायनिक कीटनाशी

रसायनिक कीटनाशी	मात्रा
प्रोफेनोफोस 50 ईसी	1.5 से 2.0 मिली/ लीटर पानी
एनीफेट 75 एसीपी	1.5 से 2.0 मिली/ लीटर पानी
ईमीडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल	0.5 से 0.7 मिली/ लीटर पानी
एसीटामिप्रिड 20 एसपी	0.5 से 0.7 मिली/ लीटर पानी
थायोमिथोक्जाम 70 डब्ल्यू एस	0.5 से 0.7 मिली/ लीटर पानी

खुरपका-मुंहपका रोग

खुरसाड़ा होने के बाद की मुख्य समस्याएं

रोग से ग्रसित पशु के ठीक हो जाने के बाद पशु में कई असमान्यताएं दिखने लगती हैं, जिसमें पशु का हाफना मुख्य समस्या है इसके अतिरिक्त पशु के शरीर के शरीर में खून की कमी होना, शरीर पर बालों की अधिक वृद्धि होना, दूध में लेछड़े आना (थनैला) तथा मधुमेह का हो जाना।

इसलिए पशु पालक को इस रोग का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि इस रोग से प्रभावित पशु की मृत्यु तो नहीं होती परंतु पशु बहुत ज्यादा दुर्बल, कार्यहीन तथा अउत्पादक हो जाता है। यह रोग एक पशुपालक के सभी पशुओं को हो जाये तो मानों की पशुओं की नहीं पशुपालक की तो मौत हो गयी।

अतः पशुपालक को नवम्बर–दिसम्बर माह में इस रोग के टीके एक अनुभवी चिकित्सक से लगवाना चाहिए, कई बार अज्ञानतावश जब टीका सही तरीके से पशु के मांस में नहीं लग पाता है, तो रोग के होने की संभावना बढ़ जाती है। खुरपका कोई सामान्य बीमारी नहीं है। यह एक बहुत ही भयानक बीमारी है। भारत वर्ष में जहां पशुओं की संख्या पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है यह रोग अन्य रोगों की तुलना में एक पशु पालक को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है। इस रोग का टीकाकरण मार्च माह में उन क्षेत्रों में करवाना चाहिए। जहां खुरसाड़ा गर्मियों में भी आता है। आजकल तो यह रोग हर उस क्षेत्र में जहां खुरसाड़ा सर्दियों में आता है, गर्मियों के माह में भी आ जाता है। आजकल यह रोग इतना महत्व पूर्ण रोग हो गया है कि भारत के लगभग हर राज्य की सरकार इस रोग की टीकाकरण पशु पालकों के लिए पशु खुरसाड़ा रोग के टीके जो बाजार में उपलब्ध हैं।

- रक्षा (इंडियन इम्यनोलॉजिकल)
- फूटवेक (ब्रिलियन्ट)
- बोवीलिस एफएमडी जेल (इंटरवेट)
- रक्षा औवेक (इंडियन इम्यनोलॉजिकल)

यह सभी टीके खुरसाड़ा रोग की रोकथाम के लिए उपयोग में लिये जा सकते हैं। पशु पालक को जैसे ही इस रोग के लक्षण नजर आयें तुरंत अनुभवी पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें तथा पशु का उपचार करवाएं। पशु पालक के लिए बेहतर होगा कि इस रोग का टीकाकरण अवश्य करवायें क्योंकि पशु चिकित्सा में कहावत है कि उपचार से बेहतर है रोकथाम , यदि पशु का टीकाकरण हो जाता है तो वह नौ माह के लिए खुरसाड़ा रोग के प्रति प्रतिरोधक हो जाता है।

यदि गांव में पशु चिकित्सक उपलब्ध नहीं हो पाता है तो पशु पालक को चाहिए कि वह पशु के मुंह तथा खुरों को लाल दवा 0.1 प्रतिशत विलयन से साफ करें, मुंह में ग्लिसरीन लगाये। तथा पशु को मुलायम आहार जैसे कि दलिया, पानी या तेल में भीगी हुई खली, हरा चारा, गुड़ के साथ मिश्रित चावल का चूरा, चावल का मांड, शीरा में मिलाकर दें।

नोट

विदेशी संकर क्रास तथा दुधारू पशुओं के बच्चों में इसका पहला टीका डेढ़ माह (45 दिन) की उम्र पर तथा दूसरा टीका उसके 6 माह बाद लगवाएं। पशु पालकों को बड़े पशुओं में टीका प्रतिवर्ष लगवाएं।

खुरपका रोग की रोकथाम कैसे करें

- जब खुरपका रोग का प्रकोप हो तब गांव के सभी पशुओं को एक जगह पर पानी नहीं पिलाएं।
- रोग से ग्रसित पशु को तुरंत स्वस्थ पशुओं से अलग बांध दें।
- रोग ग्रसित पशुओं को स्वस्थ पशुओं के सम्पर्क में न आने दें तथा उसका दाना पानी अलग ही कर दें।
- उस गांव से पशु न खरीदें जहां खुरपका रोग अधिक होता है।
- स्वस्थ पशु को गांव में घूमने वाले आवारा पशुओं के सम्पर्क में न आने दें।
- जिन पशुओं को टीकाकरण नहीं हुआ है, उन्हें पशु मेले में बेचने के लिए न ले जायें। संक्रमित पशु, रोग को मेले में अन्य स्वस्थ पशुओं को रोगग्रसित कर सकते हैं।
- सभी पशुओं का टीकाकरण करवायें।
- गांव के सभी पशुओं का टीकाकरण एक दिन में एक ही समय में करवायें।
- उन पशुओं को खरीदें जिनका टीकाकरण हो चुका हो।
- गांव के सभी पशुओं को एक साथ एक चारागाह में न चरायें।
- जिस गांव में खुरपका का प्रकोप हुआ है, वहां से 6 माह तक कोई भी पशु न खरीदें।
- रोग ग्रसित मॉ के दूध को बछड़े को न पिलायें तथा खुद भी न पियें क्योंकि यह रोग दूध के द्वारा मनुष्यों में भी फैल जाता है।
- रोग के प्रकोप के समय पशु बाड़े के चारों तरफ चूने का पावडर बिछा दें।

रोगों के फैलने का ढंग

- सीधा सम्पर्क, यह रोग एक पशु से दूसरे पशु में लार के सीधे सम्पर्क से तथा हवा के द्वारा फैलता है।
- दूषित चारा पानी, झूठा आहार, नांद, ग्वाल, दूध तथा दूध से बने पदार्थ, बर्तन, फर्श एवं परिचारिकों के कपड़ों से तत्काल छूत लगती है।
- उपचार के बाद ठीक हुआ पशु अपने शरीर में इस विषाणु को लम्बे समय तक छिपाये रहता है। यदि यह पशु स्वस्थ पशु के सम्पर्क में आ जाता है, तो इन्हें भी यह बीमारी लग जाती है। इस रोग का विषाणु एक स्थान से दूसरे स्थान पर उड़ने वाली चिड़ियाओं के पैरों से चिपक कर भी फैल सकता है।

रोग के लक्षण

- ठण्ड लगकर बुखार आना।
- तापमान 104–105 फैरेनहाइट (40–40.6 डिग्री सेल्सियस या इससे भी अधिक)
- पशु का खाना–पीना तथा जुगाली करना बंद कर देना।
- होठों से चिपचिपाहट की आवाज करना।
- दूध का उत्पादन बहुत की कम अथवा बंद हो जाता है।
- पशु सुस्त हो जाता है और सिर झुकाए खड़ा रहता है।
- पशु के मुंह तथा खुरों के नीचे मवाद वाले छाले हो जाना।
- मुंह में छाले पड़ने से लार धागे की भांति पतली होकर टूट–टूटकर जमीन पर गिरना।
- पैरों में छाले के कारण लंगड़ाना।
- पैर के छालों में कीड़े पड़ जाना।
- खुरों का गिर जाना।
- थनों पर छाले हो जाना।

नोट– साहीवाल नस्ल की दुधारु गायों में इस रोग का बहुत अधिक प्रभाव होता है।

- रोग से मुक्त होने के बाद पशु के स्वस्थ होने में बहुत समय लगता है।

टमाटर में पर्णकुंचन रोग

मिट्टी में पोटाश तत्व के कमी के कारण

मिट्टी में पोटाश तत्व की कमी वहां होती है जहां फसल द्वारा अवशोषण ज्यादा मात्रा में होता है। तथा मात्रा कम दी जा रही है। इसके अलावा मृदा में पोटाश तत्व की उपलब्धता को मृदा का पीएच, जल निकास, सूखा, अधिक जल भराव होना, नत्रजन, केल्शियम एवं मैग्रेशियन का अधिक उपयोग एवं खेतों से फसल अवशेषों का निष्पादन आदि कारण प्रभावित करते हैं।

पोटाश तत्व कब और कैसे करें

गन्ने की बुवाई के ठीक पहले खेत में पोटाश खाद की आधी मात्रा का उपयोग मिट्टी में मिलाकर करना चाहिए क्योंकि प्रथम 2 माह में फसल द्वारा 25–30 प्रतिशत पोटाश का उपयोग किया जाता है तथा आधी मात्रा निराई गुड़ाई या मिट्टी चढ़ाते समय बुवाई के 60 दिन बाद करें। पेड़ी की फसल में पत्तियों को सड़ाने के लिये नमी के साथ 20 किलोग्राम यूरिया छिड़क कर मिट्टी में दबाने से 20–25 प्रतिशत तत्व की पूर्ति हो जाती है।

पोटाश तत्व के लाभ

पोटाश तत्व को गुणवत्ता बढ़ाने वाला तत्व भी माना जाता है। गन्ने की फसल में शर्करा का निर्माण करना तथा पत्तियों में तैयार भोजन को तने में स्थानांतरित करता है। इनके अलावा पोटाश तत्व जूस की मात्रा एवं शुद्धता बढ़ाता है। नत्रजन एवं फास्फोरस का प्रभाव गन्ने की फसल में प्रारंभिक समय में दिखाई देता है इसलिए किसान भाई उनका ध्यान रखते हैं परंतु पोटाश तत्व का उपज बढ़ाने एवं गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिये पोटाश तत्व की अनुशंसित मात्रा मिट्टी परीक्षण के आधार पर उपयोग करें। आर्थिक लाभ में बढ़ोत्तरी होगी। क्योंकि कोई भी एक पोषक तत्व दूसरे पोषक तत्व की पूर्ति नहीं करता इसलिये पोषक तत्वों की पूर्ति संतुलित मात्रा में करें।

हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
दुमका, सोमवार 5 जनवरी 2026

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

जमालपुर सड़क निर्माण रूका:3 करोड़ की परियोजना अटकी

मुंगेर, एजेंसी। जमालपुर धरहरा मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण में कानूनी पेंच फंसने के कारण मुख्य पार्षद पार्वती देवी ने प्रतिनिधि राजन मंडल की अगुवाई में सड़क पर बने गड्ढों को भरवाया। यह कदम जमालपुर नगर परिषद प्रशासन द्वारा जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए उठाया गया है।मुख्य पार्षद ने बताया कि जमालपुर में छह नंबर गेट से लेकर फुलका गुमटी तक सड़क निर्माण प्रस्तावित था। इसके लिए 3 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत से निविदा भी निकाली गई थी। हालांकि, कुछ लोगों द्वारा निर्माण कार्य में खामियां बताकर मामला न्यायालय में पहुंचा दिया गया, जिससे परियोजना अटक गई है।उन्होंने कहा कि जब तक यह मामला न्यायालय में लंबित है, तब तक निर्माण कार्य संभव नहीं है। ऐसे में, इस सड़क से आवागमन करने वाले लोगों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए नगर परिषद प्रशासन द्वारा सड़कों पर बने गड्ढों को तत्काल भरवाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।प्रतिनिधि राजन मंडल ने कहा कि नगर परिषद प्रशासन जनमानस की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोपरि रखता है। उन्होंने बताया कि जमालपुर धरहरा मुख्य मार्ग से गुजरने वाले लोगों की सुविधा का ख्याल रखते हुए सभी गड्ढों को भरवाया जा रहा है। नगर परिषद के इस प्रयास से लोगों को काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

जमुई में तीर्थयात्रियों से भरी बस ट्रक से टकराई, खैरा बाजार में कोहरे से टक्कर

जमुई, एजेंसी। जमुई के खैरा बाजार में रविवार सुबह एक बस और ट्रक की टक्कर हो गई। यह बस तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी। हादसे में किसी यात्री की जान नहीं गई, लेकिन कुछ को मामूली चोटें आईं, जिनका इलाज खैरा के अस्पताल में चल रहा है। टक्कर से बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था। आशंका है कि कोहरे के कारण ट्रक की लाइट और इंडिकेटर स्पष्ट दिखाई न देने से यह दुर्घटना हुई। बस में आगरा के 55 तीर्थयात्री सवार थे, जो गया होते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम जा रहे थे। यात्री भीमसेन ने बताया कि अचानक सामने से आ रहे ट्रक की लाइट या इंडिकेटर नहीं दिखा, जिससे बस की सीधी टक्कर हो गई। बस चालक की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया, जिससे बाजार की दुकानों या राहगीरों को नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलते ही खैरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर यातायात बहाल किया और यात्रियों के लिए ऑप्शनल वाहन की व्यवस्था की। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जिसमें बस की तकनीकी स्थिति की पड़ताल भी शामिल है।

भागलपुर के तरैटा गांव में गहराया जल संकट, ग्रामीण और किसान परेशान

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले के तरैटा गांव में जल संकट उत्पन्न हो गया है। जल-नल योजना के तहत लगे बोरिंग का मोटर खराब होने से वार्ड संख्या एक में पिछले दस दिनों से पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इससे गांव के हजारों किसान और ग्रामीण गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। घरेलू उपयोग, खेतों की सिंचाई और पीने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। मामला सुल्तानगंज ब्लॉक के भीरखुद पंचायत से जुड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, ग्रामीण गुड्डू कुमार ने बताया कि बोरिंग का मोटर 28 दिसंबर को खराब हो गया था। पहले भी मोटर खराब होने पर पंचायत के मुखिया की ओर मरम्मत कराई गई थी, लेकिन ठीक से काम नहीं होने के कारण मोटर दोबारा खराब हो गया। किसानों का कहना है कि हजारों लोग एक ही बोरिंग पर निर्भर हैं, जो अब पर्याप्त नहीं है। पानी नहीं मिलने से फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। कई ग्रामीण दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने को मजबूर हैं, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों से जल्द से जल्द खराब मोटर को बदलवाने और गांव में एक अतिरिक्त बोरिंग की व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो हजारों किसानों को पानी के लिए भटकना पड़ेगा।

समस्तीपुर में टोटो-बाइक पर तेज रफ्तार पिकअप पलटा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर शहर के मोहनपुर रोड में नक्कू स्थान के पास शुक्रवार रात भूसा लदा एक पिकअप टोटो-बाइक पर पलट गया। महज संजोग रहा कि बाइक सवार बाइक लगाकर सड़क के किनारे पान दुकान पर गया था, जबकि टोटो चालक सड़क किनारे टोटो लगाकर कहीं पर गया हुआ था। बाद में लोगों ने पिकअप के अंदर फंसे पिकअप चालक को बाहर निकाला। वह भी सुरक्षित है। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना की पुलिस को दी। इसके बाद डायल-112 नंबर की टीम मौके पर पहुंची और सड़क से पिकअप को हटाने का प्रयास शुरू कर दिया। पिकअप मुसरीघरारी की ओर से आ रहा था, जिसका एक्सल टूट गया और हादसा हो गया।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग तमिलनाडु से बिहार पहुंचा

17 जनवरी को विराट रामायण मंदिर में होगी स्थापना

पटना, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग शनिवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के गोपालगंज पहुंच गया है। गोपालगंज के कुचायकोट प्रखंड के बल्थरी चेक पोस्ट के पास शिवलिंग को विशेष ट्रक से लाया गया है। बिहार पहुंचने में 45 दिन का समय लगा। इसके लिए 21 नवंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण के लिए रवाना किया गया था। ये तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार के गोपालगंज पहुंचा है। बिहार के पूर्वी चंपारण के चकिया में विराट रामायण मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इसी मंदिर में महाबलीपुरम से लाए गए दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग को स्थापित किया जाएगा।

विशालकाय शिवलिंग को देखने के लिए उमड़ा सैलाब : विशालकाय शिवलिंग जैसे ही गोपालगंज पर पहुंचा, पूरे क्षेत्र में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई अपने मोबाइल में इस विशाल शिवलिंग को कैद करना चाहता था। जगह-जगह लोग शिवलिंग का स्वागत और पूजा अर्चना के लिए खड़े रहे। शहर में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में सभी ने भक्ति भाव से शिवलिंग का स्वागत किया। भक्तों ने तिलक लगाकर आरती उतारी और अक्षत-फूल से पूजा अर्चना की।

5 जनवरी को पूर्वी चंपारण के लिए रवाना होगा काफिला : आज यानी रविवार को गोपालगंज में रुकने के बाद कल सोमवार यानी 5 जनवरी को शिवलिंग गोपालगंज के बलथरी के लिए रवाना होगा। जहां से शिवलिंग को पूर्वी चंपारण स्थित कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया के विराट रामायण मंदिर ले जाया जाएगा। सबसे पहले बलथरी में सुबह 11 बजे भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर विशेष तैयारी की गई है। प्रवेश द्वार भी बनाया गया है। यहां पर शिवलिंग का पूजा-अर्चना, आरती की व्यवस्था की गई है। चैनपट्टी में भी शिवलिंग का स्वागत किया जाएगा। यहां काफी संख्या में भक्त स्वागत के लिए जुटेंगे।

एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बना शिवलिंग : शिवलिंग निर्माण करने वाली कंपनी के संस्थापक विनायक वेंकटरमण के अनुसार, इस शिवलिंग के निर्माण पर करीब 3 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह विशाल शिवलिंग एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनाया गया है। यह शिवलिंग 33 फीट ऊंचा और 210 मीट्रिक टन वजनी है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में बीते 10 साल से विशाल शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा था। शिवलिंग के मुख्य शिल्पकार लोकनाथ हैं, उनकी टीम ने इसे तराशा है।

सड़क मार्ग से इसे 21 नवंबर को महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर के लिए रवाना किया गया था। शिवलिंग को रवाना करने के पहले पूजा-पाठ की गई थी, जिसमें स्थानीय गांव के लोग भी शामिल हुए थे।

17 जनवरी को मंदिर में स्थापित होगा शिवलिंग : गोपालगंज से शिवलिंग खजुरिया, हुसैनी होते हुए केसरिया पहुंचेगा, जहां 17 जनवरी को इसे स्थापित करने की तैयारी चल रही है। उस दिन शिवलिंग की पीठ पूजा होगी। हालांकि, शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा बाद में होगी। विराट रामायण मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ललन सिंह के मुताबिक, जनवरी-फरवरी 2026 में शिवलिंग को विधिवत स्थापित किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 33 फीट का यह शिवलिंग विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर की भव्यता को और बढ़ाएगा।

अंतिम चरण में मंदिर का निर्माण कार्य : रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग, आदि का काम पूरा हो गया है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे। मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

निर्धारित समय में निर्माण पूरा करने की तैयारी : बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद और महावीर मंदिर स्थान न्यास समिति के सचिव सायन कुणाल के मुताबिक, मंदिर निर्माण काम को समय पर पूरा करने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं, ताकि बिहार में विश्व का सबसे बड़ा शिव मंदिर स्थापित हो सके। साल 2023 के 20 जून को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है। विराट रामायण मंदिर में चार आश्रम होंगे। चकिया का विराट रामायण मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो जाने पर यह विश्व का सबसे बड़ा शिव मंदिर होगा।

महिला बोगी में सफर करने वाले पुरुष यात्रियों पर होगी कार्रवाई, बनेगी टीम

पटना, एजेंसी। महिला बोगी में सफर करने वाले पुरुष यात्रियों को अब खैर नहीं है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूर्व मध्य रेल के 5 डिवीजन में पुरुष यात्रियों को महिला बोगी में चढ़ने से रोकने के लिए मार्च तक स्पेशल टीम बनेगी। टीम अचानक किसी भी ट्रेन का निरीक्षण करेगी और महिला बोगी में बैठे पुरुष यात्रियों को किसी भी हॉल्ट या स्टेशन उतार देगी। साथ ही रेलवे नियम के उल्लघंन के मामले में जुर्माना और कार्रवाई भी की जाएगी।

पटना जंक्शन, दानापुर स्टेशन, पाटलिपुत्र जंक्शन, राजेन्द्र नगर टर्मिनल सहित पूर्व मध्य रेल के बड़े स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर रुकने वाली ट्रेनों के महिला बोगी की मॉनिटरिंग बड़े पैमाने पर की जाएगी। प्लेटफॉर्म पर ही महिला बोगी में पुरुष यात्रियों के प्रवेश पर रोक लगेगी। खासकर, पटना से गुजरने वाली और खुलने वाली एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के महिला बोगी पर नजर रखी जाएगी।

रेलवे के तमाम दावे के बाद भी महिला बोगी में पुरुष यात्री पकड़े जा रहे हैं। आरपीएफ के जवान प्लेटफॉर्म पर घुमते रहते हैं और महिला बोगी में पुरुष यात्री प्रवेश करते रहते हैं। महिला बोगी में पुरुष यात्री होने पर कई बार आरपीएफ और जीआरपी पुलिस कार्रवाई नहीं करती है। इसकी वजह- स्टाफ की कमी, ट्रेन में निगरानी का अभाव और महिलाओं द्वारा औपचारिक शिकायत न करना भी है। कभी-कभी ड्यूटी में लापरवाही या मामले को हल्के में लेना भी देखा जाता है। यदि आरपीएफ

कार्रवाई न करे तो महिला यात्री 139 हेल्पलाइन पर शिकायत कर सकती है।

पिछले साल 15000 पुरुष यात्री पकड़े गए

दानापुर, समस्तीपुर, सोनपुर सहित पूर्व मध्य रेल के 5 रेल मंडलों में चलने वाली पैसेंजर ट्रेन के महिला बोगी में पुरुष यात्री हर दिन यात्रा करते हैं। 2025 में करीब 15000 पुरुष यात्री महिला बोगी में पकड़े गए है। वहीं ऑपरेशन 'महिला सुरक्षा' के तहत दिसंबर 2025 में 2629 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया है। इनमें सर्वाधिक 1371 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गए, जबकि पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 706, समस्तीपुर मंडल में 240, सोनपुर मंडल में 166 तथा धनबाद मंडल में 146 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया।

सोते युवक पर घर में घुसकर हमला, मधुबनी में गला रेतने की सनसनीखेज वारदात, गांव में दहशत

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा प्रमंडल अंतर्गत मधुबनी जिले में एक बार फिर अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या करने का प्रयास किया है। यह गंभीर घटना अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र के गीदरगंज गांव की है, जहां हमलावरों ने 20 वर्षीय युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल युवक की पहचान गीदरगंज गांव निवासी लाल मोहम्मद के पुत्र मो. पैगाम उर्फ पिच्चा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पैगाम शनिवार शाम भोजन करने के बाद अपने घर के एक कमरे में सोने चला गया था। जिस कमरे में वह सो रहा था, उसमें दरवाजा नहीं लगा हुआ था। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात अपराधी देर रात घर में घुस आए और बिस्तर पर सो रहे पैगाम पर धारदार हथियार से हमला कर उसका गला रेत दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

कुछ देर बाद जब पैगाम के माता-पिता कमरे में पहुंचे तो बेटे को खून से लथपथ हालत में देखकर उनके होश उड़ गए। परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तत्काल अंधराठाढ़ी रेफरल अस्पताल ले जाया गया।

रेफरल अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है।

फिलहाल हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। इस संबंध में अंधराठाढ़ी थानाध्यक्ष जितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना मिली है और घायल युवक का इलाज चल रहा है। आवेदन मिलने पर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद गीदरगंज गांव में दहशत का माहौल है। सोए हुए व्यक्ति पर घर में घुसकर हमला किए जाने से लोगों में भय और चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि व्यक्ति अपने ही घर में सुरक्षित नहीं है, तो फिर सुरक्षा कहां मिलेगी।

फर्जी सिम के जरिए साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो सगे भाई गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया पुलिस की साइबर सेल और जिला आसूचना इकाई ने संयुक्त अभियान चलाकर फर्जी तरीके से सिम कार्ड एक्टिवेट कर साइबर ठगी करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो पीओएस एजेंटों को गिरफ्तार किया है, जो आपस में सगे भाई हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से ठगी में प्रयुक्त तकनीकी साक्ष्य भी बरामद किए हैं।

इस पूरे मामले का खुलासा उस समय हुआ जब स्थानीय न्यायालय में कार्यरत राहुल कुमार ने साइबर थाना पूर्णिया में प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़ित के अनुसार, एक अज्ञात मोबाइल धारक ने उन्हें झांसे में लेकर उनके बैंक खाते से 20 हजार रुपये की ठगी कर ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर साइबर डीएसपी चंदन कुमार ठाकुर के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान शुरू किया, जिसमें ठगी में प्रयुक्त सिम कार्ड का संबंध अररिया से जुड़ा पाया गया।

जांच के क्रम में पुलिस जब अररिया निवासी सिम कार्ड धारक चंद्रपाल मुखिया के पास पहुंची, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पूछताछ में सामने आया कि चंद्रपाल मुखिया स्वयं भी धोखाधड़ी का शिकार हुआ था। जांच में पता चला कि बनमनखी थाना क्षेत्र के रसाढ़ गांव निवासी दो भाइयों संतोष कुमार और रितेश कुमार ने सिम पोर्ट करने के बहाने चंद्रपाल को गुमराह किया और उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर एक अतिरिक्त सिम कार्ड निकलवा लिया। इसी फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर राहुल कुमार से साइबर ठगी की गई थी।

रसाढ़ गांव से दोनों भाई गिरफ्तार : पुलिस टीम ने शनिवार को रसाढ़ गांव में घेराबंदी कर दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे भोले-भाले लोगों के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी सिम कार्ड एक्टिवेट करते थे और उन्हें साइबर अपराधियों को बेच देते थे।

अन्य आरोपियों की तलाश, बरामदगी के लिए छापेमारी जारी : इस संबंध में साइबर डीएसपी चंदन कुमार ठाकुर ने बताया कि दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है, जबकि ठगी गई राशि की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने फर्जी सिम विक्रेताओं पर कड़ी नजर रखी हुई है। इस सफल कार्रवाई में पुनि राजेश कुमार गुप्ता, रविशंकर कुमार, पुअनि मनीष चन्द्र यादव, ऋषि यादव और तकनीकी शाखा के सिपाही आनंद कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि साइबर ठगी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

सीएम नीतीश कुमार ने खुद जनता से पूछा- और क्या सुविधा चाहिए, मुझे बताइए

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए साल के तीसरे दिन जनता को संबोधित किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हमलोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हमलोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। हमलोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले हमलोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित उपरोक्त सभी सुविधाएं उन्हें घर पर ही मिल सकें, इसे लेकर हमलोगों ने स्वास्थ्य विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है।

फार्मर रजिस्ट्री को लेकर विजय सिन्हा सख्त, बोले- 'अधिकारियों की जवाबदेही होगी तय'

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री को लेकर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त रुख अपनाया है. उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि फार्मर रजिस्ट्री राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

जमाबंदी बकेट क्लेम में सुस्ती पर नाराजगीः विजय सिन्हा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के सभी किसानों की डिजिटल पहचान सुनिश्चित हो और भविष्य की सभी कृषि योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंचे. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जमाबंदी के बकेट क्लेम और सत्यापन कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर गहरी चिंता जताई है.

मुख्य सचिव स्तर से होगी दो चरणों में समीक्षाः फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति को लेकर सरकार की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्य सचिव स्तर से दो चरणों में गहन समीक्षा प्रस्तावित की गई है. विभागीय सचिव गोपाल मीणा ने बताया कि पहली समीक्षा 6 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक की जाएगी, जबकि दूसरी समीक्षा 18 जनवरी से 21 जनवरी 2026 के बीच होगी. इन समीक्षाओं के माध्यम से जिलावार और अंचलवार प्रगति की बारीकी से निगरानी की जाएगी.

3 जनवरी को पहली बड़ी समीक्षा बैठकः विभागीय सचिव द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, 3 जनवरी 2026 को मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की जाएगी. इस बैठक में सभी जिलों के समाहर्ता, कृषि विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे. गौरतलब है कि इस परियोजना की निगरानी केंद्र सरकार के स्तर से भी लगातार की जा रही है.

आंकड़ों ने बढ़ाई विभाग की चिंताः विभागीय आंकड़ों के अनुसार, फार्मर रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों में प्रगति असंतोषजनक पाई गई है. कृषि विभाग

द्वारा सत्यापित ई-केवाईसी की प्रगति जहां लगभग 31 प्रतिशत तक पहुंची है. वहीं राजस्व विभाग द्वारा जमाबंदी के बकेट क्लेम और सत्यापन की प्रगति मात्र 4.8 प्रतिशत है. इसे अत्यंत कम मानते हुए विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है. अंचल स्तर पर रोजाना काम अनिवार्यः राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने निर्देश दिया है कि सभी अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी और राजस्व कर्मचारी ऑनलाइन पोर्टल पर जमाबंदी के बकेट क्लेम और सत्यापन का कार्य प्रतिदिन अनिवार्य रूप से करेंगे. इसके साथ ही कार्य की दैनिक समीक्षा अंचल अधिकारी और अपर समाहर्ता स्तर पर की जाएगी. मुख्यालय स्तर पर भी प्रतिदिन प्रगति की निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर ढिलाई न हो.

लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारीः मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जहां कहीं भी लापरवाही या शिथिलता पाई जाएगी, वहां जिम्मेदारी तय की जाएगी. सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े पूरे करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी मजबूत और भरोसेमंद फार्मर रजिस्ट्री तैयार करना है, जिससे किसानों को भविष्य में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े.

फार्मर रजिस्ट्री से किसानों को क्या होगा लाभः फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से राज्यभर के किसानों की डिजिटल पहचान सुनिश्चित होगी. इससे किसानों को कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी. साथ ही, फसल बीमा, अनुदान, राहत सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंच सकेगा.

प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता भी उपलब्धः सरकार का मानना है कि यह पहल कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देने के साथ बिहार के कृषि तंत्र को डिजिटल और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी. सचिव गोपाल मीणा ने बताया कि कार्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत बाधा न आए, इसके लिए जिलावार और अंचलवार अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन, प्रशिक्षण वीडियो और यूजर मैनुअल भी उपलब्ध कराया गया है.

विचार-मंथन

संपादकीय

सबसे स्वच्छ शहर में जहरीला पानी, तमगे नहीं, जान ज्यादा जरूरी

दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था।सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है।यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया।इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सभी स्तर पर सजगता और जिम्मेदारी की जरूरत है।विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता।सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है। मगर इस दावे की हकीकत अक्सर सामने आती रहती है, जब किसी इलाके में भूजल सूख जाने तो कहीं पीने के पानी के लिए लोगों के जद्दोजहद करने की खबरें आती हैं। जहां पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था है भी, अगर वहां यह सेहत पर जोखिम से लेकर जानलेवा होने तक के खतरे से बची नहीं है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। यह समझना मुश्किल है कि कमियों पर ध्यान देने और पेयजल के पाइप लाइन के सुरक्षित होने की निगरानी नियमित जवाबदेही में शामिल क्यों नहीं होती, ताकि ऐसी त्रासदी से बचा जा सके।

एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है। एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं।

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

(उमेश चतुर्वेदी)

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे,जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है। चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे। पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है। एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं। चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है। पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका के दायरे में एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जाहिर है कि यहां से कर के रूप में मोटी रकम आती है। ठाकरे परिवार की एकता के पीछे एक कारण जहां बृहन्नमुंबई महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है, वहीं पवार परिवार की एकता के पीछे पुणे महानगरपालिका और पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है। दोनों परिवारों को लगता है कि अगर वे बिखरे रहे तो उनके प्रभाव वाली महानगरपालिकाओं में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। यहां यह बताना जरूरी है कि एक दौर में बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहता था तो पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में पवार परिवार का। दोनों परिवारों के मिलन के पीछे की बड़ी वजह यही है। भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं। जिस तरह निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम किया है, उससे पवार परिवार की भी चिंताएं बढ़ी हैं और ठाकरे खानदान की भी। इसीलिए दोनों परिवार एक हुए हैं या होते नजर आ रहे हैं। पवार परिवार अब एक साथ पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के चुनाव में उतरने जा रहा है तो ठाकरे परिवार मुंबई में। लेकिन यह तय है कि दोनों परिवारों के रिश्तों की मजबूती इन महापालिका चुनाव नतीजों पर निर्भर करेगी। अगर उन्हें जीत मिली तो तय है कि पारिवारिक गठबंधन आगे बढ़ेंगे, और ऐसा नहीं हुआ तो दोस्ती की नई राह तलाशने की कोशिशें फिर से तेज होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

(नीरज कुमार दुबे)

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है। इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है। हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी। देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है। उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं। मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये। इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5964

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5963

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5964

1	2	3			4	■	5
6			■	■	7	8	
■		■	■	9			■
10		11	■	■		■	12
13			■	14			
	■	15				■	
16	17		■		■	18	
■		■	19			■	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 मई 2002 को भारत की इस प्रथम महिला पायलट का निधन हुआ था, जो भोपाल रियास की राजकुमारी थी (6)
6. दीपध्वज, अंजन, नेत्रांजन (3)
7. राजा, सम्राट, किंग, बादशाह (3)
9. आवासीय सेवक, कोई वृत्ति लेकर सेवा करने वाला (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हों, अविरल (3)
13. अक्षर, वर्ण (3)
14. देवासुर-संग्रमा के समय समुद्र मंथन से यह भयंकर विष निकला था (4)
15. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम कहते है वहां राक्षस राज्य करते है (4)
16. अधीनस्थ, आयोजन में (3)
18. एक दिवंगत हास्य अभिनेता (2)
19. यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ बांग्लाभाषा में भी बनी थी नायक थे दिलीप कुमार व नायिका थी सायरा बानों (3)

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, प्रभु, मालिक, अध्यक्ष (2)
2. वह स्थान जहां से आसपास के स्थानों में बिजली पहुंचाई जाती है (5)
3. दले हुए अरहर (2)
4. स्वामीनिष्ठ, प्रकाश मेहरा निर्देशित फिल्म जिसमें अमिताभ बच्चन, शशिकपूर आदि की भूमिकाऐं थी (1982)(6)
5. अपने से बड़ों के लिए एक संबोधन आदरपूर्ण तुम (2)
8. एक प्रसिद्ध पंजाबी कथा की नायिका, प्रेमकथा पर फिल्म निर्माण भी हुआ है (3)
10. जिनके मत परस्पर मिलते हों (4)
11.घृणा, घिन्न (4)
12. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
14. बदकिस्मत, दुर्भाग्यशाली (4)
17. जबड़ा, ठुड्डी (2)

वर्ग पहेली 5963 का हल

य	मु	ना	प्र	सा	द	शा	स्त्री
ह	म	न	शी	नी	■	य	■
■	ता	■	त	■	आ	द	मी
आ	ज	त	क	■	गा	■	ना
शा	■	म	■	म	ज	बू	र
पा	र	स	म	णि	■	झ	■
रे	स	■	द	■	म	ना	ना
ख	द	ब	द	■	स्त	■	ही

आज का राशिफल

मेष
आज जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। रात्रि का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

वृष
आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में उम्मीद के मुताबिक सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

मिथुन
आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

तुला
आज का दिन उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

वृश्चिक
आज का दिन पराक्रम वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

धनु
आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

कर्क
आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात तक सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें।

सिंह
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कन्या
आज कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

मकर
आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रणय सम्बन्ध प्रगाढ़ता की ओर बढ़ेंगे।

कुंभ
आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि उदय चल रहा है। ऐसे में बिना कारण शत्रुता पैदा हो सकती है। अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि से निराशा हो सकती है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े या विवाद से बचें। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।

मीन
आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का त्रिकोण योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

हनुमान के सीक्वल को लेकर अफवाहों पर तेजा सज्जा ने लगाया विराम

साउथ के एक्टर तेजा सज्जा फिल्म हनुमान के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें चल रही थीं कि एक्टर तेजा सज्जा ने 2024 की हिट फिल्म हनुमान के सीक्वल से किनारा कर लिया है। जय हनुमान के बारे में कोई अपडेट न होने के कारण कई लोगों ने इसे सच मान लिया। हालांकि, तेजा सज्जा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से किनारा किया है।

सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा थी कि तेजा सज्जा हनुमान के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। खबरें यह भी थीं कि उन्होंने इस फिल्म से किनारा कर लिया। दावा किया गया कि लिमिटेड स्क्रीन टाइम और क्रिएटिव मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने खुद को प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स से अलग किया। हालांकि तेजा सज्जा ने इस तरह की खबरों को सिरे से खारिज किया है। तेजा सज्जा ने बताया ये गलत खबरें हैं कि मैं जय हनुमान का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बताया है कि वह अपने आप को इस प्रोजेक्ट से अलग नहीं कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में तेजा सज्जा ने बताया था कि यह फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी।

उन्होंने जय हनुमान में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था मैं भी जय हनुमान का हिस्सा बनूंगा। फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने दिसंबर 2024 में बताया था मैं सेट पर जाने का इंतजार कर रहा हूं। मैं इसके लिए उत्साहित हूं।

खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'

राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मीं कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई थीं कीर्ति

वर्कफ्रंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी आखिरी बार अपनी लोकप्रिय सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे सीजन में नजर आई हैं। यह शो 19 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज स्ट्रीम हुआ था।

गौरव खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद जहां एक तरफ गौरव खन्ना के फैंस उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस भी तेज हो गई। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि टीवी इंडस्ट्री में पहले से पहचान और एक बड़े चैनल से जुड़ाव ने उन्हें ट्रॉफी तक पहुंचाया। लेकिन इन तमाम अटकलों पर अब खुद गौरव खन्ना ने खुलकर अपनी बात रखी है।

गौरव खन्ना ने ट्रोलिंग पर की बात

पिछले कुछ दिनों से बिग बॉस की जीत को लेकर गौरव खन्ना को कुछ यूजर्स की ओर से ट्रोल किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि वो अपनी फेम की वजह से शो की ट्रॉफी अपने नाम कर पाए। इसे लेकर एक इंटरव्यू में गौरव खन्ना ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी जीत किसी चैनल फेस या फेम का नतीजा नहीं, बल्कि दो दशक की लगातार मेहनत और अनुभव का परिणाम है। उनका कहना है कि लोग अक्सर सफलता के पीछे शॉर्टकट ढूंढते हैं, जबकि असलियत में कोई भी उपलब्धि वर्षों की तपस्या के बिना नहीं मिलती। उन्होंने याद दिलाया कि वह पिछले 15 वर्षों से किसी खास चैनल से जुड़े नहीं हैं और उनका करियर सिर्फ एक शो या पहचान तक सीमित नहीं रहा।

गौरव ने अपनी जर्नी पर भी की बात

टीवी की दुनिया में लंबा वक्त बिताने के बाद बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उतरना गौरव के लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि वह इस शो को किसी से मुकाबला करने की जगह आत्ममंथन और खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया बनाएंगे। गौरव के मुताबिक, बिग बॉस का घर सिर्फ कैमरों और कंट्रोवर्सी का खेल नहीं है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और समझदारी की असली परीक्षा भी लेता है।

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।

पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इसी साल शुरू होगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है।

पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी।

कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' को लेकर कही बात

कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

बातचीत के दौरान कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ो को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं वह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं।

यह एक पैशनेट लव स्टोरी है, जिसमें कृति ने मुक्ति नाम का किरदार निभाया है। फिल्म में कृति के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार किया है।

शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी पुरानी पेंशनः सीएम स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। सरकारी कर्मचारियों को लेकर तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को एक नई योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद सुनिश्चित पेंसन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस योजना से पुरानी पेंशन योजना जैसे लाभ मिलेंगे। आखिरी वेतन का आधा पेंशन के रूप में मिलेगा सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी। इस योजना के तहत पेंशनभोगियों के लिए सरकारी कर्मचारियों के समान ही हर छह महीने में महंगाई भत्ते को बढ़ाया जाएगा। पेंशनभोगियों की मृत्यु होने पर पेंशन राशि का 60 प्रतिशत हिस्सा मृतक के नामांकित व्यक्ति को पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो सेवा की अवधि को ध्यान में रखते हुए अधिकतम 25 लाख रुपये तक दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि नई सुनिश्चित पेंशन योजना के लागू होने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले सभी लोगों को न्यूनतम पेंशन प्रदान की जाएगी। तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन योजना के लागू होने से पहले अंशदायी पेंशन योजना के तहत सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले लोगों को विशेष अनुकंपा पेंशन दी जाएगी। टीएपीएस के लिए तमिलनाडु सरकार को पेंशन फंड में अतिरिक्त 13,000 करोड़ रुपये देने होंगे। साथ ही सालाना तौर पर टीएपीएस के कार्यान्वयन में सरकार के योगदान के रूप में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

अजित पवार की एनसीपी का शरद पवार की पार्टी में हो जाना चाहिए विलय

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में विलय हो जाना चाहिए, क्योंकि पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका चुनावों के लिए दोनों गुटों ने हाथ मिला लिया है। राउत ने सवाल भी उठाया कि अजित पवार की ओर से भाजपा शासित पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद भी वह

महायुति सरकार में क्यों हैं। महायुति में भाजपा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं। संजय राउत ने कहा कि भाजपा और अजित पवार ने एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, 'तो फिर आप सरकार में क्यों हैं? अजित पवार को शरद पवार के पास वापस आ जाना चाहिए। अब जब आपने पुणे और पिंपरी चिंचवड में गठबंधन कर लिया है, तो अजित पवार को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार छोड़ देनी चाहिए और मूल एनसीपी में मिला देना चाहिए।' वर्ष 2023 में अजित पवार कई विधायकों के साथ भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए थे, जिसे एनसीपी दो गुटों में विभाजित हो गई थी। संजय राउत ने कहा कि अजित पवार भाजपा की ओर से किए जा रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और पवार परिवार एक साथ चुनाव लड़ रहा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, 'ऐसा लगता है कि अजित पवार की दिशा बदल गई है। अगर ऐसा है, तो उन्हें भाजपा का साथ छोड़ देना चाहिए।'

वाराणसी में एनकाउंटर; एक लाख के इनामी को गोली मारकर दबोचा

कालोनाइजर की हत्या कर फरार था

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में कॉलोनाइजर महेंद्र गौतम की हत्या में शामिल शूटर से पुलिस का एनकाउंटर हुआ है। शूटर के पैर में गोली मारकर उसे दबोच लिया गया है। सारनाथ की अरिहंत नगर कॉलोनी फेज-2 में पिछले साल 21 अगस्त को कालोनाइज की हत्या हुई थी। दबोचे गए शूटर पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया था। डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शूटर गाजीपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के सिमराफैज गांव निवासी अरविंद यादव उर्फ फौजी उर्फ कल्लू है।

बताया कि बदमाश के क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम दिए जाने की सूचना पर सारनाथ थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी और एसओजी प्रभारी गौरव सिंह टीम के साथ निरीक्षण कर रहे थे। सराय मोहाना में बदमाश मौजूद था। पुलिस को देखते ही बदमाश दोनों हाथों में असलहा लेकर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो असलहा, कारतूस बरामद किया गया है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में करीब दर्जन भर केस दर्ज हैं। सोनभद्र में पुलिस ने शनिवार की रात बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान गैंगरेप के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी को पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। 30 दिसंबर को आरोपियों ने दलित किशोरी के साथ

गैंगरेप किया था। क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार ने बताया कि दलित किशोरी से गैंगरेप के मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। थाना प्रभारी ओबरा के नेतृत्व में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन कर लगातार दबिश दी जा रही थी। शनिवार की रात को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बिल्ली मारकुंडी खदान क्षेत्र में घेराबंदी की। पुलिस ने दो आरोपी पप्पू उर्फ बिन्दू यादव पुत्र रवि यादव निवासी कनहरा ओबरा एवं अर्जुन डोम पुत्र स्व नन्हक डोम निवासी भलुआ टोला मलिन बस्ती थाना ओबरा को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी करन डोम पुत्र चन्द्रमड़ी डोम निवासी सेक्टर-10 लंका कॉलोनी ओबरा ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की। इस पर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ में की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किया

आदर्श रोड के तौर पर होगा कायाकल्प

गाजियाबाद में 6 सड़कों पर मिलेगी फ्री कार पार्किंग

गाजियाबाद , एजेंसी। एनसीआर के शहर गाजियाबाद के इंदिरापुरम, वैशाली और कौशांबी की छह

प्रमुख सड़कों के कायाकल्प के बाद वाहन चालकों को निशुल्क पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी। सीएम ग्रिड योजना के दूसरे चरण में 307 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य में सड़क निर्माण के साथ व्यवस्थित पार्किंग को प्राथमिकता दी गई है। 15 माह में सभी सड़कें आदर्श के रूप में तैयार होंगी।

सीएम ग्रिड योजना के दूसरे चरण का पिछले महीने ही शिलान्यास हुआ था। योजना के तहत सड़कों को इस तरह विकसित किया जा रहा है कि ट्रैफिक सुचारू रहे और बेतरतीब पार्किंग से होने वाली जाम की समस्या खत्म हो सके। साइड फेंसिंग के स्थान पर पार्किंग के लिए अलग से जगह बनाई जाएगी। पार्किंग का डिजाइन ऐसा होगा कि पैदल यात्रियों को चलने में किसी तरह की परेशानी न हो। सड़क से ऊंचा और सुरक्षित पैदल पार पथ रहेगा, जिस पर वाहन नहीं चढ़ सकेंगे। अभी भी यहां सड़क किनारे वाहन खड़े रहते हैं, लेकिन अव्यवस्थित तरीके से वाहनों के खड़े होने और अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़कों पर चलना पड़ता है। काम पूरा होने के बाद इन मार्गों पर अतिक्रमण नहीं होगा। यदि कोई सड़क पर कब्जे की कोशिश करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई होगी। सभी मार्ग चार लेन के होंगे। हरियाली और पथ प्रकाश की बेहतर व्यवस्था रहेगी। साइड एरिया में पार्किंग के साथ बैठने के लिए बेंच भी लगाई जाएंगी। सभी छह सड़कों की कुल लंबाई 16 किलोमीटर से अधिक है। इससे एक ओर जहां ट्रैफिक दबाव कम होगा, वहीं दूसरी ओर लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक पार्किंग की बड़ी राहत मिलेगी।

मनाली में ताजा बर्फबारी, पर्यटकों की भारी भीड़

मनाली , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मनाली में रविवार को ताजा बर्फबारी के बाद पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं राज्य के कई शहरों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। मौसम विभाग ने राज्य में 4 से 6 जनवरी के बीच निचले पहाड़ी और मैदानी जिलों के लिए घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। मनाली में बर्फबारी का मजा लेने के लिए टूरिस्ट देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंच रहे हैं। मनाली में तापमान माइनस 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच चुका है। मनाली में इसबार टूरिस्ट भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। अटल टनल के पार भारी बर्फबारी ने टूरिस्ट को अपनी ओर खींचा। ठंड का कहर लगातार जारी है और मनाली में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के सात जिलों में अगले हफ्ते कुछ जगहों पर घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, कुकुमसेरी में शनिवार को सबसे कम माइनस 7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने किन्नौर और लाहौल और स्पीति जिलों में 6 जनवरी को कुछ जगहों पर हल्की बर्फबारी का अनुमान लगाया है।

अजय चौटाला ने दिए गए बयान को लेकर उठे विवाद पर दी अपनी सफाई

चंडीगढ़, एजेंसी। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने महेंद्रगढ़ में दिए गए बयान को लेकर उठे विवाद पर अपनी सफाई दी है। चौटाला ने कहा कि उन्होंने कोई विवादित या गलत बयान नहीं दिया है। भाजपा के मंत्री बेवजह उनके बयान पर आपत्ति जता रहे हैं और बिना वजह मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजय सिंह चौटाला ने कहा कि उन्होंने अपने बयान में सिर्फ पड़ोसी देशों में हुए हालातों का जिक्र किया है। दुनिया के कई देशों में ऐसा देखा गया है कि जब जनता पर अत्याचार बढ़ा, तब जनता ने शासकों के खिलाफ खड़े होकर बदलाव किया और तख्तापलट जैसी परिस्थितियां बनीं। उन्होंने कहा कि वह आज भी अपने उसी बयान पर कायम हैं और उसमें कुछ भी गलत नहीं है।

चौटाला ने कहा कि आज देश में भी हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और अब युवाओं को संगठित होने की जरूरत है। देश में बदलाव लाने की ताकत सिर्फ युवाओं के पास है और आने वाले समय में युवा ही निर्णायक भूमिका निभाएंगे। अजय चौटाला ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कई मंत्री उनके बयान को लेकर पागल हो रहे हैं, जबकि असल मुद्दों पर कोई बात नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि देश ने पहले भी बदलाव देखा है। आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार ने लोगों का दमन किया था लेकिन उसी दौर में देश में क्रांति आई और बदलाव हुआ। आज

फिर देश को बदलाव की जरूरत है। अजय चौटाला ने आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आज देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं पर आरएसएस का कब्जा हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि शिक्षण संस्थानों को भी नहीं छोड़ा गया है।

ओवैसी बोले- मोदी जी आतंकियों को उठाकर भारत लाओ

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी सेनाओं की ओर से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को पकड़कर यूएस ले जाने का मामला गरमाया हुआ है। भारत में भी इस पर काफी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे डाली। मुंबई में शनिवार को जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, 'आज हमने सुना कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेनाओं ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मदुरो को पकड़ लिया और उन्हें उनके देश से अमेरिका ले गए। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उनके अपने देश से अपहरण कर सकते हैं, तो आप भी पाकिस्तान जाकर 26/11 आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड को भारत ला सकते हैं।' असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मोदी जी हम आपको कह रहे हैं, आप भी पाकिस्तान में जाकर जो मुंबई की सड़कों पर साजिश करने वाले 26/11 के जालिम लोग हैं।

न्यू आगरा में 14.6 लाख लोगों को बसाने का होगा इंतजाम, 12,200 हेक्टेयर जमीन पर बसेगा सुंदर शहर

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने नए आगरा को विकसित करने का काम तेज कर दिया है। मास्टर प्लान को परीक्षण के लिए दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लॉनिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भेजा गया है। उनसे इस पर सुझाव के साथ एक माह में रिपोर्ट मांगी गई है। सुझावों को शामिल कर मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, बोर्ड व प्रदेश सरकार की स्वीकृति के बाद इस योजना पर काम शुरू किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण के फेज-दो में आगरा जिले के 58 गांव अधिसूचित हैं। इन गांवों की 12,200 हेक्टेयर जमीन पर न्यू आगरा अर्बन सेंटर विकसित किया जाएगा। इस नए शहर में 14.6 लाख लोगों के बसाने के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन, उद्योग व वाणिज्यक सुविधाओं के विकास से लगभग 8.5 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पर्यटन व हरित क्षेत्र पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रदूषण मुक्त उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिकारी के मुताबिक, न्यू आगरा का विकास चंडीगढ़ से प्रेरित होगा। इसके प्रस्तावित मास्टर प्लान में 2,501 हेक्टेयर क्षेत्र आवासीय होगा। यह कुल विकसित क्षेत्र का 27.7 फीसदी है। इसमें 14.6 लाख लोगों के रहने के लिए सुविधाएं विकसित होंगी। नए शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए मैन्युफैक्चिरिंग, कृषि आधारित उद्योग, आईटी और आइटीईएस आधारित उद्योग को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका क्षेत्रफल 1813 हेक्टेयर व 447 हेक्टेयर क्षेत्र मिश्रित उपयोग सेक्टर विकसित होंगे। वहीं 340 हेक्टेयर में व्यापारिक क्षेत्र होगा, जिसमें खुदरा दुकानें,

कार्यालय परिसर और व्यावसायिक केंद्र विकसित किए जाएंगे।

शैलेंद्र भाटिया, एसीईओ, यीडा, आगरा पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील और ऐतिहासिक है। न्यू आगरा के विकास पर इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। मास्टर प्लान का स्कूल ऑफ प्लॉनिंग एंड आर्किटेक्चर से परीक्षण कराया जा रहा है। इसके बाद मास्टर प्लान पर आगे का काम शुरू किया जाएगा।

जेल से बाहर आए पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के बेटे, मिला ग्रैंड वेलकम, 170 दिन बाद रिहाई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य शनिवार को जेल से बाहर आ गए। जेल के बाहर ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका ग्रैंड वेलकम किया। चैतन्य के स्वागत के लिए ढोल-नगाड़े बजाए गए। बेटे को रिसीव करने के लिए खुद भूपेश बघले भी रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे। बेटे की रिहाई से पहले भुपेश बघेल ने कहा कि 'आज चैतन्य की रिहाई होने वाली है, ईडी ने मेरे बेटे के जन्मदिन पर उसे गिरफ्तार किया था और आज मेरे पोते के जन्मदिन पर मेरे बेटे को रिहाई मिल रही है, ये दिन हमारे लिए कई खुशियां लेकर आया है।' बिलासपुर हाई कोर्ट के जमानत मंजूर करने के बाद ही चैतन्य की रिहाई हुई है। जेल के बाहर मीडिया से बातचीत में चैतन्य ने कहा 'मुझे न्याय मिलने में थोड़ी देर हुई, लेकिन अंततः न्याय मिल ही गया। मुझे संविधान पर पूरा भरोसा है।' चैतन्य शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए थे। चैतन्य को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 18 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। खास बात ये है कि कोर्ट ने उन्हें जमानत शराब घोटाले में फाइनल चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी। भ्रष्टाचार के इस मामले में ईडी को लगता है कि चैतन्य ने ही करीब 1000 करोड़ रुपये का लेन-देन अपने राजनीतिक प्रभाव के चलते खुद ही संभाला। ईडी का दावा- चैतन्य की अहम भूमिका ईडी का मानना है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य की अहम भूमिका रही और वे ही नेटर्वक को कंट्रोल किया करते थे। ईडी का ये भी कहना है कि सभी बड़े फैसले भी वे खुद ही लिया करते थे। भ्रष्टाचार के इस मामले में ईडी को लगता है कि चैतन्य ने ही करीब 1000 करोड़ रुपये का लेन-देन अपने राजनीतिक प्रभाव के चलते खुद ही संभाला।

जांच एजेंसियों का आरोप है कि चैतन्य को हिस्से के तौर पर 200 से 250 करोड़ रुपये मिले। एजेंसियों का मानना है कि पूरे घोटाले की कुल रकम 3200 से ज्यादा हो सकती है।

नोएडा में 10 हजार फ्लैटों की रजिस्ट्री से रोक हटेगी, छोटे प्लॉटों की योजना में आसानी से होगा आवेदन

सिटी के भूखंड-150 एससी 02 परियोजना पर लगी रोक हटाने का प्रस्ताव शनिवार को मंजूर कर लिया गया

नोएडा , एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में स्पोर्ट्स सिटी के भूखंड-150 एससी 02 परियोजना पर लगी रोक हटाने का प्रस्ताव शनिवार को मंजूर कर लिया गया। रोक हटने से बिल्डर नक्शे पास करा सकेंगे। इससे 10 हजार फ्लैट की रजिस्ट्री की उम्मीद जग गई है।

बोर्ड बैठक में एक परियोजना को सशर्त अधिभोग प्रमाणपत्र जारी करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद परियोजना के छह टावर (ए-1, ए-2, बी-1, बी-2 , बी-3 व सी-1) गोदरेज ब्रिक राइस के लिए अधिभोग प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद प्राधिकरण ने यह फैसला लिया। प्राधिकरण ने बिल्डर पर निर्माण, सुरक्षा, खेल गतिविधियों, एनजीटी के नियम समेत 20 से ज्यादा शर्तें लगाई हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर बिल्डरों ने खेल सुविधाएं विकसित कीं और बकाया राशि दी तो परियोजना का काम आगे बढ़ सकेगा। जिस भूखंड से बोर्ड ने रोक हटाई, वह लोटस ग्रीन बिल्डर को आवंटित थी। बिल्डर ने खेल सुविधाएं विकसित किए बिना भखंड के टुकड़े कर 24 बिल्डरों को बेचा। 2021 में प्रधिकरण ने स्पोर्ट्स सिटी की सेक्टर-78, 79, 150, 152 के प्रोजेक्ट के कामकाज को मंजूरी देने पर रोक लगा दी। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में शनिवार को जिले के तीनों प्राधिकरणों की एक समान नीति (यूनिफाइड पॉलिसी) में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे 800 वर्गमीटर तक के भूखंडों और दुकानों की योजना में आवेदन करना आसान हो जाएगा। दादा-दादी, नाना-नानी से मिलने वाली संपत्तियों पर ट्रांसफर शुल्क भी नहीं देना होगा। अवस्थापना और औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में नोएडा प्राधिकरण की 221वीं बोर्ड बैठक हुई। इसमें प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम, यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, एसीईओ ग्रेटर नोएडा सुनिल कुमार सिंह मौजूद रहे। बैठक में 19 प्रस्तावों पर चर्चा की गई, जिसमें आठ को अनुमोदित किया गया। अधिकांश मामले शासन को भेजे गए। तीनों प्राधिकरणों में संपत्तियों के आवंटन प्रक्रिया में एकरूपता के लिए फरवरी 2025 में एक समान नीति लागू की गई थी। इसके बाद कई नियमों की जटिलता से परेशानी आने लगी। पिछले साल अक्टूबर में हुई बोर्ड बैठक में इस विषय को रखा गया। बोर्ड ने अध्ययन के बाद प्रस्ताव मांगा था, जिसको मंजूरी मिल गई। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सभी वाणिज्यिक संपत्तियों के आवंटन के लिए नियम एक कर दिए गए। ऐसे में 800 वर्ग मीटर से छोटे भूखंडों और दुकानों के लिए आवेदन करने में आयकर रिटर्न, पूंजी, लेनदेन का ब्योरा अनिवार्य कर दिया गया। इससे कारोबार शुरू करने वाले नए लोगों को दिक्कत आने लगी। इसे देखते हुए प्राधिकरण ने छोटे भूखंडों और दुकानों की योजना में आवेदन करने की यह बाध्यता हटाने का निर्णय लिया है। नए संशोधनों के साथ प्राधिकरण जल्द ही दुकानों और छोटे भूखंडों की योजना लाएगा। बोर्ड बैठक में बताया गया कि अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों का 57 परियोजनाओं में से 36 ने अबतक लाभ लिया है। नोएडा में सिटी लॉजिस्टिक विकसित करने और ट्रकों के बिना जाम में फंसे कंपनियों तक आसानी से पहुंचने के लिए योजना बनाई जाएगी।

नितीश रेड्डी के वनडे टीम में चयन पर भड़का पूर्व भारतीय बैटर

● कहा- ऋतुराज गायकवाड़ के साथ हुई नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम व चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बैटर एस बद्रीनाथ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में नितीश कुमार रेड्डी को सेलेक्ट करने के लिए बीसीसीआई मेन्स सेलेक्शन कमेटी की आलोचना की है। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड के बावजूद सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाए।

नितीश रेड्डी को क्यों चुना गया - बद्रीनाथ ने अपने यूट्यूब वीडियो में अपने विचार शेयर करते हुए कहा कि वनडे टीम में नितीश रेड्डी को क्यों चुना गया इसका कारण उन्हें समझ में नहीं आया वो भी तब जब भारत के पास पहले से ही टीम में अनुभवी ऑलराउंडर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ऋतुराज गायकवाड़ को टीम से बाहर किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें जब भी मौका मिला है अच्छा प्रदर्शन किया है। बद्रीनाथ ने कहा कि भारतीय वनडे टीम में दो ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जब मौजूद हैं तब भी नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में क्यों चुना गया ये बात उनकी समझ में नहीं आया। वे कहते हैं कि नितीश रेड्डी एक ऑलराउंडर है, लेकिन गेंदबाज़ी में उसकी हर जगह पिटाई हो रही है और ऋतुराज गायकवाड़ के साथ नाइंसाफी हुई है। नितीश-यशस्वी आउट, श्रेयस इन, रोहित-गिल ओपनर; न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 बद्रीनाथ ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऋतुराज टीम में नहीं हैं और नितीश रेड्डी टीम में हैं ऐसा आखिर क्यों है। इसमें निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ है।

राहुल-पंत दोनों को मौका !

एआई ने चुनी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 2026 में अपने अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से करेगी। 3 मैचों की सीरीज के लिए शनिवार (3 जनवरी) को भारतीय टीम का ऐलान हो गया। कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान श्रेयस अय्यर की वापसी हुई। हालांकि, अय्यर का खेलना तय नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलने पर ही वह खेल पाएंगे। इसके अलावा ड्रॉप किए जाने के अटकलों के बीच ऋषभ पंत को बतौर दूसरे विकेटकीपर टीम में मौका मिला। जनसत्ता.कॉम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच के लिए भारत की प्लेइंग 11 चुनने के लिए आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया। चैट जीपीटी ने भारत की प्लेइंग 11 में श्रेयस अय्यर के साथ केएल राहुल और ऋषभ पंत दोनों को मौका दिया। उसने सिर्फ एक स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को चुना।

चैट जीपीटी द्वारा चुनी गई भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/बल्लेबाज), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा।

फुटबॉल जगत में शोक, बुल्गारिया के महान फुटबॉल खिलाड़ी और कोच का निधन

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बुल्गारियाई फुटबॉल यूनियन ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। पेनेव वही कोच थे जिनकी अगुआई में बुल्गारिया की राष्ट्रीय टीम ने 1994 फीफा विश्व कप में चौथा स्थान हासिल किया था, जो आज तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जाता है।

देश-विदेश से श्रद्धांजलि - दिमितार पेनेव के निधन पर बुल्गारिया के फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और कोचों ने शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही देश के निवर्तमान प्रधानमंत्री रोसेन ज़ेल्याज़कोव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। फुटबॉल जगत में उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें एक महान खिलाड़ी और प्रेरणादायी कोच बताया।

क्रिस्टो स्टोइचकोव का भावुक संदेश - बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, 'वह व्यक्ति जिसने हमें दुनिया में चौथा स्थान दिलाया। वह व्यक्ति जिसने हममें से दर्जनों लोगों को इंसान और एथलीट के रूप में गढ़ा। शांति से आराम करें, बॉस। आपको कभी नहीं भुलाया जाएगा।'

शानदार खिलाड़ी करियर - दिमितार पेनेव ने अपने खेल करियर में सीएसकेए सोफिया के लिए 13 वर्षों तक खेला और उन्हें बुल्गारिया के शीर्ष सेंटर-बैक खिलाड़ियों में गिना जाता था। उन्होंने 1966, 1970 और 1974 के फीफा विश्व कप में बुल्गारिया का प्रतिनिधित्व किया। पेनेव ने कुल 90 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और दो बार 'बुल्गारियाई फुटबॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान हासिल किया।

कोच के रूप में भी बेमिसाल सफर - खिलाड़ी के बाद कोच के रूप में भी दिमितार पेनेव का करियर बेहद सफल रहा। वह 2012 तक कोचिंग में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने तीन बुल्गारियाई लीग खिताब, चार बुल्गारियाई कप और एक बुल्गारियाई सुपर कप जीता। साल 2019 में वह सलाहकार के रूप में एक बार फिर सीएसकेए सोफिया क्लब से जुड़े थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेशी टीम, आईपीएल विवाद के बीच बीसीबी का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी. बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है. नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बैठक के बाद इस बात का फैसला लिया है. अब इंतजार इस बात का है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का इस मुद्दे पर क्या रुख होता है क्योंकि इस बड़े इवेंट के लिए शेड्यूल वगैरह तो आईसीसी ही तैयार करती है. आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर लिखा, 'बांग्लादेश विश्व कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज (4 जनवरी) यह फैसला लिया है. हम इस फैसले का स्वागत करते हैं, जो इंडियन क्रिकेट बोर्ड की आक्रामक सांप्रदायिक नीतियों के जवाब में लिया गया है. बीसीबी का ये फैसला बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर करने के बाद लिया गया है. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वो मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दे. केकेआर ने बीसीसीआई के निर्देशों का पालन करते हुए मुस्ताफिजुर को रिलीज कर दिया था.

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंडः

रूट और ब्रूक के 154 रन जोड़ने के बाद सिडनी टेस्ट में अचानक रुका खेल, हो गया ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिडनी टेस्ट में पहले दिन का खेल अचानक रोक दिया गया. समय से पहले ही टी-ब्रेक ले लिया गया. ऐसा तब हुआ जब इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक विकेट पर जमे थे. अपनी पारी को बड़े स्कोर में बदलने की ओर दोनों बढ़ चले थे और जब तक खेल रुका तब तक साथ मिलकर इंग्लैंड के स्कोर बोर्ड में 154 रन जोड़ भी चुके थे. अब सवाल है कि सिडनी टेस्ट में खेल को अचानक रोका क्यों गया? इस सवाल का जवाब है खराब रोशनी और बारिश.

खराब रोशनी और बारिश ने रोका खेल - सिडनी टेस्ट के पहले दिन के पहले सेशन का खेल शानदार चला. पहले सेशन में ऑस्ट्रेलिया को 3 सफलता हाथ लगी. लेकिन, दूसरे सेशन यानी लंच के बाद का खेल पूरी तरह से इंग्लैंड की झोली में जाता दिखा. जो रूट और हैरी ब्रूक दोनों जिम्मेदारी से अपनी इनिंग को अंजाम दे रहे थे. लेकिन, अचानक ही खेल को खराब रोशनी की वजह से रोक दिया गया. बारिश की आशंका को देखते हुए पिच और ग्राउंड को कवर कर दिया गया. बाद में ये आशंका हकीकत में भी बदल गई. सिडनी में तेज बारिश होने लगी.

रूट और ब्रूक के 154 रन जोड़ने के बाद रुका खेल - सिडनी टेस्ट में जिस वक्त खराब रोशनी के चलते खेल रुका, जो रूट 103 गेंदों पर 72 रन बनाकर खेल रहे थे. यानी वो अपनी 67 हाफ सेंचुरी टेस्ट में जड़ चुके थे. वहीं हैरी ब्रूक 92 गेंदों पर 78 रन बनाकर खेल रहे थे. बड़ी बात ये है कि सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड की ढहती पारी को संभालने वाले ये दोनों खिलाड़ी काउंटी क्रिकेट में यॉर्कशर के लिए भी साथ खेलते है.

क्रिकेट इतिहास

जब 21 साल के बल्लेबाज ने 6 गेंदों में बना दिए 48 रन! जानिए कैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर जब कभी 'एक ओवर में क्या-क्या हो सकता है' की बात होगी, तो अफगानिस्तान के युवा बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल का नाम जरूर लिया जाएगा. महज 21 साल की उम्र में अटल ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जो दो साल बाद भी अटूट रिकॉर्ड के तौर पर कायम है. एक ही ओवर में 48 रन बनाना और उसमें 7 छक्के जड़ देना आज भी क्रिकेट फैंस को हैरान कर देता है. यह ऐतिहासिक पल काबुल प्रीमियर लीग के एक मुकाबले में देखने को मिला, जब शाहीन हंटर्स और अबासिन डिफेंडर्स आमने-सामने थे. 19वें ओवर तक शाहीन हंटर्स की हालत ज्यादा मजबूत नहीं थी. टीम 6 विकेट खोकर 158 रन पर थी और दबाव साफ दिख रहा था. क्रीज पर कप्तान सेदिकुल्लाह अटल टिके हुए थे, लेकिन मैच अभी भी बराबरी का लग रहा था. इसी ओवर में गेंदबाजी के लिए आए बाएं हाथ के स्पिनर आमिर जजई. पहली ही गेंद नो-बॉल रही और अटल ने उसे सीधा स्टैंड्स में भेज दिया. इसके बाद गेंदबाज का कंट्रोल पूरी तरह टूट गया. लगातार वाइड गेंदें, फ्री हिट और फिर एक के बाद एक गगनचुंबी छक्के. उस एक ओवर में कुल 48 रन बने. अटल ने सात छक्के जड़े और इसी दौरान सिर्फ 48 गेंदों में शतक भी जड़ दिया. यह किसी भी मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया. आमिर जजई के लिए यह ओवर किसी बुरे सपने से कम नहीं था. उन्होंने अपने चार ओवर में 79 रन लुटा दिए. अटल की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर शाहीन हंटर्स ने 6 विकेट पर 213 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में अबासिन डिफेंडर्स की टीम दबाव में बिखर गई और सिर्फ 121 रन पर ऑलआउट हो गई. हंटर्स ने यह मुकाबला 92 रनों से अपने नाम किया. इस मैच में अटल 56 गेंदों में नाबाद 118 रन बनाकर लौटे. उनकी पारी में 7 चौके और 10 छक्के शामिल थे. काबुल के पास लोगर से आने वाले इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2023-24 में अफगानिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया. अब तक वह टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं और सीमित ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बना चुके हैं.

खतरे में आया सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड

रूट ने रचा इतिहास, सिडनी में किया कारनामा

सिडनी, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में अपनी फॉर्म का लोहा मनवाते हुए एक और शानदार अर्धशतक जड़ा है। इस पारी के साथ ही रूट ने क्रिकेट जगत के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के एक बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शिवनरेन चंद्रपॉल को छोड़ा पीछे

जो रूट के टेस्ट करियर का यह 67वां अर्धशतक है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज शिवनरेन चंद्रपॉल को पछाड़ दिया है। उनके नाम कुल 66 अर्धशतक थे। अब वह सचिन तेंदुलकर के 68 अर्धशतकों के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से मात्र एक कदम दूर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि जिस लय में रूट बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह इसी मैच की दूसरी पारी में इस रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

संकट में हैरी ब्रूक के साथ संभाली इंग्लैंड की पारी

सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जैक क्रॉली, बेन डकेट और जैकब बेथल के सस्ते में आउट होने के बाद इंग्लैंड की टीम मुश्किल में थी। ऐसे समय में जो रूट और हैरी ब्रूक ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए एक महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी की। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया।

डेविड वॉर्नर ने बिग बैश लीग में ठोका तूफानी शतक विराट कोहली के इस महारिकॉर्ड की कर डाली बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग 2025-26 का 21वां मुकाबला सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेन्स के बीच बीते 3 जनवरी को सिडनी में खेला गया। यह एक हाई स्कोरिंग मुकाबला रहा, जिसको होबार्ट ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। भले ही यह मुकाबला सिडनी थंडर हार गई। लेकिन, उनके कप्तान डेविड वॉर्नर ने इस मैच में बड़ा कारनामा किया और भारत के स्टार और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 39 साल के डेविड वॉर्नर ने होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ अपनी तूफानी बल्लेबाजी से पुरानी यादें ताजा कर दीं। वॉर्नर ने दमदार शतक ठोका। वॉर्नर ने पारी का आगाज किया और 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 65 गेंद में 130 रन ठोक डाले। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 9 छक्के लगाए इस शतक के साथ ही वॉर्नर ने विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दरअसल, यह वॉर्नर का टी20 में 9वां शतक था। विराट कोहली और साउथ अफ्रीका के राइली रूसो के नाम भी टी20 फॉर्मेट में 9-9 सेंचुरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उस्मान ख्वाजा का संन्यास, ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने साझा किया भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 39 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा पांचवां एशेज टेस्ट उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने ख्वाजा को लेकर एक खास और भावुक संदेश साझा किया।

प्रधानमंत्री का 'ऑफ द फील्ड' संदेश

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने सोशल मीडिया पर ख्वाजा की तारीफ करते हुए लिखा कि उन्होंने न सिर्फ मैदान पर बल्कि मैदान के बाहर भी ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत कुछ किया है। अल्बनीज ने कहा, 'उस्मान, आपने मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के लिए जो किया और मैदान के बाहर ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए जो मायने रखा, उसके लिए धन्यवाद। आप अपने रिकॉर्ड, अपनी विरासत और आने वाली पीढ़ियों के लिए जो उदाहरण आपने पेश किया है, उस पर गर्व कर सकते हैं।'

87 टेस्ट का शानदार सफर

इस्लामाबाद में जन्मे उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 87 टेस्ट मैच खेले। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 157 पारियों में 6206 रन बनाए, उनका औसत 43.39 रहा। इस दौरान उनके नाम 16 शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं। ख्वाजा लंबे समय से ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की मजबूत कड़ी रहे हैं।

सिडनी टेस्ट से पहले किया संन्यास

ख्वाजा ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में मीडिया से बातचीत के दौरान अपने संन्यास की पुष्टि की। उनका यह फैसला एशेज सीरीज के निर्णायक टेस्ट से ठीक पहले सामने आया, जिसने क्रिकेट जगत को भावुक कर दिया।पांचवें एशेज टेस्ट के पहले दिन स्टंप तक इंग्लैंड ने 45 ओवर में 3 विकेट पर 211 रन बना लिए। जो रूट और हैरी ब्रूक चौथे विकेट के लिए नाबाद 154 रन की साझेदारी की। रूट 72 रन और ब्रूक 78 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 35 रन की ओपनिंग साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने एक-एक विकेट लिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

रविशंकर जायसवाल के निधन से क्षेत्र में शोक, सुल्तानगंज में हुआ अंतिम संस्कार

हंसडीहा (दुमका)(नि. सं.)। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता और समाजसेवी रविशंकर जायसवाल के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके असामयिक निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और आम लोग बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचने लगे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। रविवार अहले सुबह दिल्ली से उनका पार्थिव शरीर जैसे ही हंसडीहा पहुंचा, अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनके आवास पर देर तक श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक कार्यों, सरल स्वभाव और जनसेवा को याद किया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि रविशंकर जायसवाल क्षेत्र में एक कर्मठ, मिलनसार और समर्पित समाजसेवी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने हमेशा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी और समाज के कमजोर वर्गों की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। दिवंगत रविशंकर जायसवाल का अंतिम संस्कार पूरे विधि-विधान के साथ बिहार के सुल्तानगंज स्थित गंगा घाट में किया गया। अंतिम संस्कार में परिजन, रिश्तेदारों के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। रविशंकर जायसवाल अपने पीछे एक पुत्र, एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। क्षेत्रवासियों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटे हजारों समर्थक

ठाकुरगंगटी (गोड्डा)(नि. सं.)। प्रखंड क्षेत्र के मानिकपुर पंचायत अंतर्गत ककरघट स्थित बायोडायवर्सिटी नेचुरल पार्क में शनिवार को महागामा विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक शाह ग्रामीण विकास पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी शामिल हुई। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन संगठन की एकजुटता, अनुशासन और जमीनी मजबूती का सशक्त प्रतीक है। कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह, प्रतिबद्धता और जनसेवा का संकल्प इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस संगठन गांव-गांव और घर-घर तक जनहित की आवाज़ को मजबूती से पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।उन्होंने जननायक राहुल गांधी जी के विज़न और कांग्रेस के मूल आदर्शों को आम जनता तक पहुंचाने तथा गरीबों, मजदूरों और किसानों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष के संकल्प को दोहराया। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि संगठन की यही शक्ति आने वाले समय में विकास, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को और सुदृढ़ करते हुए एक मजबूत, संवेदनशील और जनपक्षधर भविष्य की नींव रखेगी। बोली कि केंद्र सरकार द्वारा मजदूरों की प्राथमिकता वाली मनरेगा योजना को नाम बदलने के बहाने शिथिल किया जा रहा है यह किसानों मजदूरों पर असर पड़ेगा मनरेगा योजना से मजदूर किसानों को रोजगार मिल पाता था। वर्तमान राज्य सरकार हमेशा किसानों मजदूरों गरीबों दलित पीड़ितों सहित हर टपके के हर वर्ग के लोगों की स्थिति को सुदृढ़ करने में दिन-रात लगी है। वर्तमान राज्य सरकार राज्य को भारत में नंबर वन बनाना चाहती है लेकिन केंद्र सरकार द्वारा लगातार मजदूर किसानों गरीबों के अनदेखी की जा रही है। प्रखंड अध्यक्ष दीपक मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष अवधेश ठाकुर, जिला सचिव सुभाष मंडल, मिहिर महतो, मिस्टर खान, रविन्द्र प्र0 महतो, अब्दुल खबीर, बीरेन्द्र यादव, मुखिया मनोज यादव, प्रीतम झा, असदुल्ला अंसारी, जिलाअध्यक्ष याहिया सिद्दीकी, खुस्टर हसनैन, गुड्डू चनानी, नरेंद्र शेखर आजाद शशांक शेखर सिंह रंजन कुमार ठाकुर सहित ठाकुर घंटे मेहरमा महागामा प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ो गांव के हजारों कार्यकर्ता समर्थक ग्रामीण किसान मजदूर नवयुवक महिला सहित हर तक के ग्रामीण शामिल थे।

राजेंद्र स्टेडियम में सोहराय पर्व पर महोत्सव का आयोजन

महागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। प्रखंड अंतर्गत ऊर्जा नगर स्थित राजेंद्र स्टेडियम में आताड़ दाराम दिशोम सोहराय पोरोब–2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पारंपरिक आदिवासी पर्व 7 जनवरी 2026 को पूरे हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया जाएगा।सोहराय पर्व आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य, गीत और रीति-रिवाजों के माध्यम से सनातन आदिवासी परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन के माध्यम से समाज की नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान "जोहार आदिवासी" के उद्घोष के साथ आपे सानाम दिशोम पेड़ा मानोत, सालाक ले आताड़ दारामेंत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन जोहार आदिवासी, महागामा के द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सोहराय पर्व की सांस्कृतिक महत्ता को साझा करें और आयोजन को सफल बनाएं। यह सोहराय पर्व महोत्सव महागामा में आदिवासी संस्कृति और परंपरा का भव्य उत्सव साबित होगा। मौके पर उपस्थित आदिवासी महागामा सभी कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे

पलायन रोकने को लेकर जिले में 'आपनार आतो कामी' कार्यक्रम

पंचायत स्तर पर लगेंगे रोजगार व जागरूकता शिविर : उपायुक्त

निज संवाददाता | दुमका

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निर्देश पर रोजगार की तलाश में होने वाले पलायन को रोकने और स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से जिले में आपनार आतो कामी कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय जागरूकता एवं रोजगार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा रोजगार से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी। साथ ही युवाओं को प्रशिक्षण, स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

इसके अलावा 28 जनवरी को जरमुंडी प्रखंड के पेटसार पंचायत तथा गोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार पंचायत में जागरूकता एवं रोजगार शिविर आयोजित होंगे।

30 जनवरी को गोपीकांदर प्रखंड के सुरजुडीह पंचायत और रानीश्वर प्रखंड के धनभाषा पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। चार फरवरी को जामा प्रखंड के चिकनिया पंचायत और मसलिया प्रखंड के हरोरायडीह पंचायत में शिविर आयोजित होगा। सात फरवरी को गोपीकांदर प्रखंड के कुश्चिरा पंचायत और शिकारीपाड़ा प्रखंड के ढाका पंचायत में, जबकि नौ फरवरी को रानीश्वर प्रखंड के बांसकुली पंचायत और गोपीकांदर प्रखंड के मुसना पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 11 फरवरी को जामा प्रखंड के बारा पलासी पंचायत एवं गोपीकांदर प्रखंड के गोपीकांदर पंचायत में शिविर लगेगा। 14 फरवरी को रामगढ़ प्रखंड के बोड़िया पंचायत और दुमका प्रखंड के गादीकोरैया पंचायत में, जबकि 18 फरवरी को सरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा पंचायत में अंतिम चरण का शिविर आयोजित किया जाएगा।

17 जनवरी से 18 फरवरी तक शिविरों का आयोजन

जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में 17 जनवरी से 18 फरवरी तक चरणबद्ध तरीके से शिविर लगाए जाएंगे। काठीकुंड प्रखंड के अस्ताजोड़ा पंचायत में 17 जनवरी को शिविर लगेगा। 19 जनवरी को मसलिया प्रखंड के हथियापाथर पंचायत एवं गोपीकांदर प्रखंड के टायजोर पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं 21 जनवरी को गोपीकांदर प्रखंड के ओड़मो पंचायत और रामगढ़ प्रखंड के कान्जवे पंचायत में शिविर लगाया जाएगा।

नगर निकाय चुनाव की मांग को लेकर भाजपा ने धरना की रणनीति बनाई

निज संवाददाता | दुमका

नगर स्थित परिसदन में भारतीय जनता पार्टी दुमका नगर की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में राज्य सरकार से नगर निकाय चुनाव अविलंब कराने, दलीय आधार पर कराने एवं ईवीएम से मतदान सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदेश स्तर पर 5, 6 एवं 7 जनवरी को आयोजित होने वाले एक दिवसीय महाधरना कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसी क्रम में दुमका नगर में प्रस्तावित धरना कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने कहा कि हेमंत सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के उद्देश्य से नगर निकाय चुनाव को लगातार टाल रही है। जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के अधिकार से वंचित है। भाजपा इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर सरकार को जगाने का काम करेगी। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल ने कहा कि नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर एवं ईवीएम से कराना पारदर्शिता और जनविश्वास के लिए आवश्यक है। राज्य सरकार की नीयत स्पष्ट नहीं है, इसलिए भाजपा चरणबद्ध आंदोलन के माध्यम से जनदबाव बनाकर सरकार को निर्णय लेने के लिए बाध्य करेगी।

वहीं नगर अध्यक्ष मृणाल मिश्रा ने कहा कि दुमका नगर की जनता लंबे समय से नगर निकाय चुनाव की प्रतीक्षा कर रही है, लेकिन राज्य सरकार जानबूझकर चुनाव टालकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भारतीय जनता पार्टी जनहित और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगी। 7 जनवरी का धरना इस दिशा में एक निर्णायक कदम होगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 7 जनवरी को दुमका भाजपा द्वारा पुराने समाहरणालय परिसर में धरना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिलाध्यक्ष गौरवकांत, सुरेश मुर्मू, निवास मंडल, अंजुला मुर्मू, अमिता रक्षित, मनोज पाण्डेय, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, पिंटू साह, सोनी हेंब्रम, पिंटू अग्रवाल, नवल किस्कू, मृणाल मिश्रा, अनुज आर्या, रूपेश मंडल, अजय गुप्ता, दीप्तांशु कोचगवे, किशोरेंद्र दास, रामवतार भालोठिया, मनोज साह, प्रवीण सिंह, मनीष कुमार, श्रीधर दास, रमेश मुर्मू, फारूख अनवर, ओम केसरी, रामकृष्ण हेंब्रम, अशोक मंडल सहित भाजपा के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पार्षद प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लुई ब्रेल की 217वीं जयंती पर नेत्रहीन छात्रों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | दुमका

स्थानीय सरदार पटेल चौक पर रविवार को लुई ब्रेल की 217वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य श्रद्धासुमन अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पटेल सेवा संघ, शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच तथा सिविल सोसायटी दुमका के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पटेल सेवा संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार राउत ने की, जबकि संचालन सचिव संदीप कुमार 'जय बमबम' द्वारा किया गया।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए अरुण सिन्हा ने कहा कि महामानव जन्म से नहीं, बल्कि अपने विशिष्ट कार्यों से बनते हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में एक दुर्घटना में अपनी आँखें खोने के बावजूद लुई ब्रेल ने हार नहीं मानी और 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया। आज यह लिपि वैश्विक स्तर पर दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा और प्रगति का वरदान साबित हो रही है। इस कार्यक्रम की सबसे विशेष कड़ी नेत्रहीन विद्यालय के छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच की ओर से इन छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल भावुक और प्रेरणादायक हो गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, उपाध्यक्ष प्रेम केशरी, उमाशंकर चौबे, मनोज कुमार घोष, मधुर कुमार सिंह, संजय कुमार, राजेश कुमार चौरसिया, विनोद कुमार राउत, गजेन्द्र कुमार, रवि कुमार गोलू और चन्दन यादव शामिल हुए।

विशेष रूप से नेशनल ब्लाइंड यूथ एसोशिएशन के महासचिव संजीव कुमार मोहली के साथ बाबुधन हांसदा, सगुण मुर्मू, रवि हांसदा, आंध्रयेश टुडू, सजीव मुर्मू, बाबूधन हेंब्रम, लख्खी मोहली और देवलाल राय ने उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। ज्ञापन सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने किया। उन्होंने सभी आगंतुकों और सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए लुई ब्रेल के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया।

शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्ती, यात्रियों को मिला सुरक्षा का संदेश

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत दुमका बस पड़ाव में चला ड्रिंक एंड ड्राइव जांच अभियान

निज संवाददाता | दुमका

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत रविवार को दुमका बस पड़ाव में ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण करना तथा आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाना रहा।

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की सघन जांच की गई। जांच के क्रम में नियमों का उल्लंघन करते पाए गए चालकों को सख्त चेतावनी दी गई, वहीं अन्य वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि यात्रियों और अन्य राहगीरों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। इस क्रम में बस पड़ाव से संचालित विभिन्न बसों में सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता स्टिकर लगाए गए। इन स्टिकरों के माध्यम से यात्रियों और चालकों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने का संदेश दिया गया। जागरूकता स्टिकर बसों के अंदर और बाहर प्रमुख स्थानों पर लगाए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसे देख सकें।

जिला परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने मौके पर मौजूद बस चालकों, कंडक्टरों एवं यात्रियों को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी को यातायात नियमों का पालन करना अनिवार्य है। प्रशासन की ओर से बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के जांच एवं जागरूकता अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और कारीगरों को रोजगार से जोड़ने का प्रयास

राजेंद्र स्टेडियम में 9 से लगेगा 10 दिवसीय स्वदेशी मेला, तैयारी अंतिम चरण में

निज संवाददाता | महागामा (दुमका)

महागामा प्रखंड अंतर्गत ऊर्जा नगर स्थित राजेंद्र स्टेडियम में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में 9 तारीख से 10 दिवसीय भव्य स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजकों के अनुसार यह मेला स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। स्वदेशी मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगर अपने-अपने क्षेत्रों की पारंपरिक कला और हुनर का प्रदर्शन करेंगे। यहां हस्तशिल्प से बने आकर्षक सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, सजावटी आइटम, स्वदेशी परिधान के साथ-साथ आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक उत्पाद भी उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। मेले में एक ही स्थान पर शुद्ध स्वदेशी उत्पाद खरीदने का अवसर मिलेगा।आयोजकों ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देना, ग्रामीण एवं स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करना है। मेला पूरी तरह पारिवारिक और सुरक्षित रहेगा, जहां महिलाओं, युवाओं और बच्चों के लिए भी विशेष आकर्षण की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही मनोरंजन, खानपान और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से मेले को उत्सव का स्वरूप दिया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्वदेशी अपनाएं और देशी उत्पादों को प्रोत्साहित करें। यह स्वदेशी मेला महागामा के लिए खरीदारी के साथ-साथ स्वदेशी संस्कृति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनने जा रहा है।

धूजोगिया सिद्धों-कान्हू मैदान में दिशोम सोहराय अतांग दराम पर्व धूमधाम से संपन्न

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

रामगढ़ प्रखंड के धोबा पंचायत अंतर्गत जोगिया सिद्धों-कान्हू फुटबॉल मैदान में रविवार को दिशोम सोहराय अतांग दराम पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नायकी बाबा सनीलाल हांसदा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस अवसर पर संताल समाज के इष्ट देव जाहेर ऐरा, गोशांय ऐरा, मरांग बुरु सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा की गई तथा देश, राज्य और जिले में अमन-चैन व शांति की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्याम परगना के वंशज सह उपनिदेशक, जीसीईआरटी रांची, मसूदी टुडू उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कराम गुरु बाबा संतलाल मरांडी, सुलेमान हांसदा, सुरुज टुडू, रसका हांसदा, इंग्लिश लाल मरांडी, सोमवार मरांडी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष मंगल सोरेन, सचिव बिहारी हांसदा समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि मसूदी टुडू द्वारा लिखित पुस्तक *"**आदिवासी धर्म और धर्म कोड**"* का विधिवत विमोचन किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सोहराय पर्व एवं पेशा कानून पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सोहराय पर्व आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे ***हाथी लेकान पोरोब*** के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व पांच दिनों तक मनाया जाता है, जिसमें पहले दिन उम माहां, दूसरे दिन बोंगा माहा, तीसरे दिन खुंटा माहा, चौथे दिन जाली माहा और पांचवें दिन हाको काटकोम का आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि गांव स्तर पर सोहराय पर्व की शुरुआत 9 जनवरी से की जाएगी।

परंपरा और उत्साह के साथ मनाया गया अतांग दाराम दिसोम सोहराय पर्व

निज संवाददाता | दुमका

दिसोम मांझी थान एवं जाहेर थान समिति की ओर से दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू के नेतृत्व में रविवार को अतांग दाराम दिसोम सोहराय पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्सवी माहौल देखने को मिला। प्रातः 8 बजे श्रद्धालुओं ने स्नान कर नायकी बाबा सीताराम सोरेन के अगुवाई में गोट टांडी में पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। पूजा उपरांत बलि स्वरूप अर्पित मुर्गा से खिचड़ी तैयार कर उसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। इस अवसर पर मांझी बाबा बीनीलाल टुडू ने कहा कि सोहराय पर्व मूल रूप से सोहराय चांदो यानी अक्टूबर माह में मनाया जाता है, लेकिन संताल विद्रोह (1855–56) के दौरान मार्शल लॉ लागू होने के कारण संताल परगना क्षेत्र में इसे पुश चांदो यानी जनवरी माह में धूमधाम से मनाने की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी चली आ रही है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो जिलाध्यक्ष दुमका शिव कुमार बास्की शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में अमर कुमार, अंचलाधिकारी दुमका, दिलीप बेसरा, संताली साहित्यकार मान चुंडा सोरेन 'सिपाही', बासु टुडू प्रखंड प्रमुख मसलिया, चुंडा हेंब्रम झामुमो प्रखंड अध्यक्ष शिकारीपाड़ा एवं रामकृष्ण हेंब्रम उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष शिव कुमार बास्की ने कहा कि मान्यता के अनुसार सोहराय पोरोब संताल आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है, जिसकी तुलना हाथी से की जाती है।

यह पर्व पांच दिनों तक मनाया जाता है। पहला दिन उम माहा, दूसरा दिन बोंगा या दाकाय माहा, तीसरा दिन खूंटाव माहा, चौथा दिन जाले माहा और पांचवां एवं अंतिम दिन भी जाले माहा के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है। सोहराय पोरोब में संताल परगना के विभिन्न क्षेत्रों से मांझी बाबा एवं आतो मोड़ें होड़ शामिल हुए। आसपास के गांवों से आए युवक-युवतियों एवं छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर सोहराय नृत्य प्रस्तुत किया और पर्व का भरपूर आनंद लिया। मौके पर समिति के सदस्य सुरेशचंद्र सोरेन, निलेश हांसदा, टेकलाल मरांडी, ईमेल मरांडी, लैंड मुर्मू, सुनील मरांडी, दीपक हेंब्रम, मोहन टुडू, प्रेम हांसदा, सीमांत हांसदा, शिव सोरेन, संदीप मुर्मू, सनी बेसरा, अंजनी बेसरा, पिंकी, शर्मीला हेंब्रम, ऊषा किरण किस्कू, झुमरी सोरेन, सीमा सोरेन, लवकिशोर टुडू, लक्ष्मण हांसदा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विभु की कप्तानी का जलवा: पांच विकेट लेकर बने मैन ऑफ द मैच, जामताड़ा पस्त

निज संवाददाता | दुमका

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दुमका जिला टीम ने जामताड़ा को 73 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। जिला क्रिकेट संघ की नई समिति के गठन के बाद दुमका में क्रिकेट का माहौल गर्म है और जेएससीए द्वारा लगातार टूर्नामेंट की मेजबानी दी जा रही है। आज सुबह 9 बजे शुरू हुए 50 ओवर के इस मुकाबले में टॉस जीतकर जामताड़ा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दुमका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 214 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दुमका की ओर से राजेंद्र राय ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 95 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। जामताड़ा के गेंदबाजों में चिन्मय चिराग झा, सुमित राणा, स्वास्तिक कश्यप और अंकित राज पांडे ने 2-2 विकेट हासिल किए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जामताड़ा की पूरी टीम दुमका के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 33.3 ओवर में मात्र 144 रनों पर सिमट गई। दुमका की तरफ से बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए कप्तान विभु ने अकेले 5 विकेट झटके।

शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन 5 विकेट और टीम की कप्तानी के लिए दुमका के कप्तान विभु को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। उन्हें जेएससीए द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर और दुमका के लोकप्रिय डॉ तुषार ज्योति द्वारा 5000 रुपये नकद इनाम और एक ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मैच से पूर्व दैनिक जागरण के ब्यूरो चीफ सह पूर्व खिलाड़ी राजीव रंजन ने खिलाड़ियों और पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और मैच की शुरुआत कराई। जिला क्रिकेट संघ दुमका के सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस आयोजन के लिए जेएससीए की ओर से नियुक्त निर्णायक राजेश्वर सिंह, संजय पांडे, टीआरडीओ संतोष तिवारी, एलओ प्रणय तिवारी और स्कोरर ज्ञान रंजन ने अपनी भूमिका निभाई। जिला क्रिकेट संघ के सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मेडिकल सहायता को लेकर सिविल सर्जन कार्यालय का सहयोग भी प्राप्त किया जा रहा है।

क्रिकेट : गोड्डा ने पाकुड़ को 222 रनों के किया पराजित

गोड्डा (नि. सं.)। झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर 19 अंतर जिला प्लेट ग्रुप टूर्नामेंट का उद्घाटन स्थानीय गाँधी मैदान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद अग्रवाल के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया।अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जेएससीए एवं जिला क्रिकेट संघ के द्वारा काफी अच्छा प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।खिलाड़ियों को वर्ष भर की मेहनत ग्राउंड पर उतारने की जरूरत है। उद्घाटन मुकाबले में गोड्डा अंडर-19 की शानदार जीत, पाकुड़ को 222 रनों से हराया। जेएससीए अंडर-19 मुकाबले में गोड्डा ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पाकुड़ को 222 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोड्डा अंडर-19 टीम ने 48 ओवर में 9 विकेट पर 317 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।